राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 23 अप्रैल 2022 वर्ष–4,अंक–87 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सवा महीने में सबसे ज्यादा कोरोना के नए केस, एक्टिव मामले 14 हजार के पार; बढ़ीं चिंताएं

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण के नए मामले देश में लगातार बढ़ रहे हैं। शुक्रवार सुबह सामने आए आंकड़ों के मुताबिक देश में बीते एक दिन में 2,451 नए केस मिले हैं। यह आंकड़ा मिड मार्च के बाद से सबसे ज्यादा है। इसके साथ ही देश में कुल सक्रिय मामलों की संख्या भी तेजी से बढ़ते हुए 14,241 हो गई है। दरअसल बीते करीब 10 दिनों से नए मिलने वाले केसों का आंकड़ा रिकवरी से ज्यादा हो गया है। इसी के चलते सक्रिय मामलों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। बीते दिनों एक्टिव केसों की संख्या घटते हुए 11 हजार के करीब पहुंच गई थी। लेकिन अब एक बार फिर से इजाफे का दौर है, जिससे चिंताएं बढ़ गई हैं।

खासतौर पर दिल्ली-एनसीआर में मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। दिल्ली में एक बार फिर से 1,000 के करीब नए केस मिले हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में भी 205 नए मरीजों की पुष्टि हुई है। इसके चलते राज्य में एक्टिव केसों की संख्या 1,000 के पार पहुंच गई है। नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ जैसे शहरों में कोरोना के केसों की संख्या बढ़ गई है। कोरोना का रिकवरी रेट फिलहाल 98.75त्न हो गया है। यही नहीं डेली पॉजिटिविटी रेट भी बढ़कर 0.55 फीसदी हो गया है। बीते कुछ दिनों से कोरोना के केसों में इजाफे ने भले ही चिंताएं बढ़ा दी हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे चौथी लहर आने की आशंका नहीं है।

राष्ट्रपति भवन पहुंचने पर पीएम मोदी ने किया जानसन का स्वागत, ब्रिटिश पीएम बोले- थैंक्यू

नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जानसन दो दिवसीय भारत दौरे पर हैं। ब्रिटिश पीएम गुरुवार को अहमदाबाद पहुंचे थे। शुक्रवार को वह पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे। जानसन दिल्ली पहुंच चुके हैं। इस दौरान 100 अरब रुपये के निवेश के करार होने की उम्मीद जताई जा रही है।

राष्ट्रपति भवन में जोरदार स्वागत-ब्रिटिश पीएम शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान पत्रकारों से उन्होंने कहा, 'शानदार स्वागत के लिए धन्यवाद। मुझे नहीं लगता कि चीजें हमारे बीच कभी उतनी मजबूत या अच्छी रही हैं जितनी अभी हैं।' इसके बाद जानसन ने राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित की और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर बातचीत संभव

बताया जा रहा है कि दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर भी बातचीत की संभावना है। यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद बदलती वैश्विक व्यवस्था और वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो रहे बदलाव को देखते हुए भारत और ब्रिटेन किस तरह से अपने द्विपक्षीय रिश्तों को आगे बढ़ाएं, यह इन नेताओं के बीच होने वाली वार्ता का एक अहम हिस्सा होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ जानसन की बातचीत का मुख्य फोकस हिंद-प्रशांत की स्थिति पर होगा क्योंकि ब्रिटेन इस क्षेत्र में किसी भी तरह की जबरदस्ती का कड़ा विरोध करता है।

'शानदार स्वागत के लिए धन्यवाद। मुझे नहीं लगता कि चीजें हमारे बीच कभी उतनी मजबूत या अच्छी रही हैं जितनी अभी हैं।' इसके बाद जानसन ने राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित की और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

रूस के साथ संबंधों पर दबान डालने से बचेंगे जानसन

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में जब भारत ने रूस के पक्ष में वोटिंग से अनुपस्थित रहने का फैसला किया था तब जानसन सरकार के कुछ वरिष्ठ मंत्रियों ने तल्खी भरी टिप्पणी की थी, लेकिन अमेरिका में टू प्लस टू वार्ता में भारत के दो टूक जवाब ने माहौल बदल दिया है। इसके मद्देनजर रूस के साथ संबंधों को लेकर जानसन कोई दबाव डालने से बचेंगे।

इससे पहले जानसन गुरुवार को अहमदाबाद में साबरमती आश्रम पहुंचे। उन्होंने महात्मा गांधी को असाधारण व्यक्ति बताया। पंचमहल में नई जेसीबी फैक्ट्री का दौरा करने पहुंचे ब्रिटिश पीएम ने कहा कि भारत और ब्रिटेन को सुरक्षा और रक्षा साझेदारी को गहरा करना चाहिए। भारत और यूके दोनों दुनिया भर में निरंकुशता के बारे में चिंताओं को साझा करते हैं, हम दोनों लोकतंत्र हैं और हम एक साथ रहना चाहते हैं।

पीएम के दौरे से पहले जम्मू में आतंकी हमला और मुठभेड़, दो जवान शहीद

आतंकी किए ढेर

श्रीनगर। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले का दौरा करने वाले हैं। उससे पहले केंद्र शासित प्रदेश में दो बड़ी आतंकी घटनाएं हुई हैं। एक तरफ जम्मू के सुजवां इलाके में आतंकियों से मुठभेड़ जारी है, जिसमें दो दहशतगर्दों को सेना ने ढेर कर दिया है। इसके अलावा इस पूरी कार्रवाई में एक जवान शहीद हो गया है, जबकि 4 जख्मी हो गए हैं। यही नहीं एनकाउंटर अभी जारी है और छिपे हुए आतंकी रुक-रुक कर फायरिंग कर रहे हैं। जम्मू जोन के एडीजीपी मुकेश सिंह ने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर ली गई है। माना जा रहा है कि आतंकी एक घर में छिपे हुए हैं।

इसके अलावा जम्मू के ही चड्ढा कैंप के पास सीआईएसएफ जवानों की एक बस पर आतंकियों ने फायरिंग कर दी। इस हमले का जवानों ने तुरंत जवाब दिया और आतंकी भाग खड़े हुए, लेकिन उससे पहले हुई फायरिंग में गोली लगने से एक एएसआई की मौत हो गई। अधिकारी ने कहा, जम्मू के चड्ढा कैंप के पास सुबह करीब सवा चार बजे सीआईएसएफ के 15 जवानों को सुबह की शिफ्ट के लिए ड्यूटी पर ले जा रही बस पर आतंकियों ने हमला कर दिया। सीआईएसएफ ने आतंकी हमले को टाल दिया और जवाबी कार्रवाई की जिससे आतंकियों को भागने पर मजबूर होना पड़ा।

इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच शुरू हुई मुठभेड़ अभी भी जारी है। सेना ने लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर युसूफ कांतरू सहित चार आतंकवादी मार गिराए हैं।

शिवपाल को बीजेपी की हरी झंडी का इंतजार भतीजे अखिलेश ने भी पकड़ी अलग राह

लखनऊ। अखिलेश यादव और शिवपाल के नए रुख से दोनों की राहें जुदा होती नजर आ रही हैं। ऐसा लग रहा है कि सपा नहीं चाहती कि शिवपाल यादव पार्टी में बने रहें और शिवपाल भी यहां से बाहर निकलने की वजह ढूंढ रहे हैं। उनके लिए सबसे मुफीद यही है कि सपा उनको निष्कासित कर दे।

शिवपाल ने गुरुवार को सपा मुखिया पर पलटवार कर अपने इरादे जता दिए हैं। वह खुद पार्टी छोड़ने के मूड में नहीं हैं। इससे उनकी विधायकी पर संकट आ सकता है। इसलिए उन्होंने खुद ही कह दिया कि सपा चाहे तो उन्हें निकाल दे। सपा यह कदम उठाने से बचना चाहती है। अगर पार्टी से निकाला तो शिवपाल यादव परिवार व समर्थकों के बीच सहानुभूति पाएंगे। असल में सपा ने पिछली विधानसभा में भी शिवपाल यादव की सदस्यता खत्म करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को चिट्ठी भेजी थी। बाद में वह पत्र उन्होंने वापस ले लिया। लगा चाचा भतीजा अब करीब आ गए हैं। चुनाव में करीब आए भी। शिवपाल सपा विधायक हो गए लेकिन यह वक्ती समझौता साबित हुआ। नतीजे आते ही बिखरने लगा।

भाजपा की हरी झंडी के बाद पत्ते खोलेंगे शिवपाल-जहां तक शिवपाल के भाजपा में जाने का सवाल है, उस पर निर्णय भाजपा को करना है। वहां से हरी झंडी मिलने पर ही वह अपने पत्ते खोलेंगे। इस बीच वह आजम खां से भी सहानुभूति जता रहे हैं। अपर्णा यादव के जाने के बाद अब अगर शिवपाल यादव भाजपा में शामिल होते हैं तो यह सपा के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है।अखिलेश यादव व शिवपाल के बीच चल रहा शीतयुद्ध अब आरोप-प्रत्यारोप में बदलने लगा है। अपने भतीजे व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान को गैरजिम्मेदराना बताते हुए शिवपाल ने कहा कि वह तो सपा के 111 विधायकों में से एक विधायक हैं। अगर मैं भाजपा के साथ हूं तो वह मुझे सपा से शीघ्र निकाल दें।

शिवपाल यादव ने गुरुवार को लखनऊ में एक टीवी चैनल से बातचीत में यह बात कही। अखिलेश ने बुधवार को आगरा में शिवपाल यादव का नाम लिए बिना कहा था जो भाजपा के साथ दिखेगा वह सपा के साथ नहीं रहेगा।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए केंद्र ने बनाया खास प्लान

पहले चरण में दिल्ली जैसे शहरों में लागू होगी बैट्री अदला-बदली व्यवस्था

नई दिल्ली। नीति आयोग ने शुक्रवार को इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैट्री अदला-बदली नीति का मसौदा जारी किया। पहले चरण में दिल्ली जैसे 40 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में इसे लागू किया जाएगा। दोपहिया और तिपहिया वाहनों की जरूरत को देखते हुए राज्यों की राजधानियों समेत पांच लाख की आबादी वाले शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी।

वाहन सस्ते होंग-बैट्री अदला-बदली ईवी वाहनों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था है। इसमें 'डिस्चार्ज' बैट्री को चार्ज बैट्री से बदल दिया जाता है। ऐसे वाहनों को बिना बैट्री के बेचा जाएगा, जिससे इलेक्ट्रिक वाहन सस्ते होंगे। इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद के लिए मौजूदा या नई योजनाओं के तहत दिए जाने वाले पैकेज भी लागू होंगे। इससे भी लाभ

मिलेगा। मसौदे में सुझाव दिया गया है कि प्रोत्साहन के आकार का निर्धारण बैट्री की किलोवॉट रेटिंग और ईवी के आधार पर किया जा सकता है। सब्सिडी कैसी होगी और किस तरह इसका वितरण होगा, इसके लिए एक उपयुक्त प्रणाली संबंधित मंत्रालय या विभाग तैयार करेगा। मौजूद व्यवस्था में लिथियम ऑयन बैट्री और इलेक्ट्रिक वाहन आपूर्ति उपकरणों पर जीएसटी क्रमश- 18 प्रतिशत और पांच प्रतिशत है। इसे कम करने पर विचार कर रहे।

दोपहिया वाहन चालकों के लिए आसानी होगी

1. बैट्री अदला-बदली दोपहिया और तीन पहिया जैसे वाहनों के लिए उपयोग की जा सकती है। क्योंकि इनमें छोटी बैट्री होती है और बदलना आसान होता है।

2. निजी वाहनों में दोपहिया का हिस्सा 70-80 है,ज्यादातर लोग इससे लाभान्वित हो रहे।

3. मसौदे के अनुसार, कोई भी व्यक्ति किसी भी स्थान पर बैट्री अदला-बदली स्टेशन स्थापित करने को स्वतंत्र होगा।

दिल्ली पुलिस ने लगाए कई सीसीटीवी, अस्थाई निगरानी स्टेशन होगा तैयार

नई दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में 16 अप्रैल को हुई हिंसा और अतिक्रमण विरोधी अभियान पर बुलडोजर चलाए जाने की कार्रवाई के मद्देनजर कड़ी निगरानी के लिए दिल्ली पुलिस ने इलाके में कई सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं। साथ ही पुलिस इस इलाके में एक अस्थायी मॉनिटरिंग स्टेशन भी स्थापित करेगी। डीसीपी श्वेता चौहान ने कहा कि दिल्ली पुलिस इन इलाकों पर निगरानी रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने बताया कि इस ड्रोन के इस्तेमाल से सेंट्रल जिले में जामा मस्जिद और हौज काजी इलाके में भी नजर रखी जा रही है। दिल्ली के हिंसा प्रभावित जहांगीरपुरी इलाके के निवासियों को राहत देने वाले एक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अतिक्रमण विरोधी अभियान पर अगले आदेश तक रोक लगा दी। इसके साथ ही कोर्ट ने आदेश से अवगत कराए जाने के बाद भी अभियान जारी रखने पर उत्तरी दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) को फटकार लगाते हुए कहा कि वह इस बारे में गंभीरता से विचार करेगा। यह स्थान शनिवार को हनुमान जयंती के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा के दौरान हुई सांप्रदायिक हिंसा का केंद्र रहा था। इलाके में माहौल तनावपूर्ण है, क्योंकि आमतौर पर चहल-पहल रहने वाले कुशल चौक पर सन्नाटा पसरा रहा और दुकानें बंद रहीं। सी-ब्लॉक में आवाजाही को सुरक्षा कर्मियों द्वारा नियंत्रित किया गया है, और वहां बड़े पैमाने पर अवरोधक लगाए गए हैं। परीक्षा देने जा रहे बच्चों या स्कूली पोशाक पहने छात्रों को इलाके के अंदर और बाहर जाने की अनुमति है। ड्रोन से भी निगरानी की गई। जहांगीरपुरी में तैनात पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, मीडिया को सी-ब्लॉक आवासीय क्षेत्र में प्रवेश करने से रोक दिया गया है क्योंकि हमें ऐसा करने का आदेश दिया गया है। हम यहां कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

ग्लोबल मेक इन इंडिया रक्षा कार्यक्रम के तहत देश में ही बनेंगे विदेशी कंपनियों के लड़ाकू विमान

सरकार का रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर

नई दिल्ली। भारत सरकार रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दे रही है। इसके लिए बाय ग्लोबल मेक इन इंडिया रक्षा कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। यह देश के भीतर विदेशी हथियार प्रणालियों के अधिग्रहण और उनके उत्पादन को सुगम बनाने के लिए रक्षा उपकरणों की खरीद प्रक्रिया की एक श्रेणी है। वर्ष 2020 में इस श्रेणी को मंजूरी दी गई थी।

वायुसेना का बाय ग्लोबल मेक इन इंडिया पर जोर-पिछले दिनों 114 मल्टी रोल लड़ाकू विमान (एमआरएफए) के

निर्माण के लिए टेंडर दिया गया था। अब वायुसेना का जोर है कि इन विमानों का निर्माण बाय ग्लोबल मेक इन इंडिया रूट से ही हो। इन 114 एमआरएफए विमान के शामिल होने के बाद उत्तरी और पश्चिमी मोर्चे पर भारत की ताकत और बढ़ेगी। एफ-18, एफ-15 और एफ-21 (एफ-16 का संशोधित संस्करण) सहित तीन अमेरिकी कंपनियों, रूसी कंपनी मिग -35 और एसयू-35 सहित फ्रांस की राफेल, स्वीडिश साब ग्रिपेन और यूरोफाइटर टाइफून कंपनी इस कार्यक्रम में शामिल हो सकती हैं।

ग्लोबल मेक इन इंडिया रूट को प्राथमिकता-भारतीय वायु सेना ने अधिग्रहण प्रक्रिया पर इन कंपनियों के विचार भी मांगे थे। उनमें से अधिकांश ने ग्लोबल मेक इन इंडिया रूट के लिए प्राथमिकता दिखाई है। सूत्रों ने कहा कि बल ने परियोजना पर सरकार से निर्देश मांगा है कि वह आगे की कार्रवाई के लिए रक्षा मंत्रालय से मंजूरी के लिए कब अनुरोध कर सकता है। सूत्रों ने कहा कि राफेल लड़ाकू विमान के दो स्क्वाड्रन साथ पूरी तरह से सक्रिय हैं। डिलीवरी के लिए केवल एक विमान बचा है। सूत्रों ने कहा कि 83 एलसीए मार्क 1ए भारतीय वायुसेना को मिग-सीरीज के विमानों को बदलने में मदद करेगा क्योंकि मिग-23 और मिग-27 को पहले ही चरणबद्ध तरीके से हटाया जा चुका है और अब मिग-21 को भी चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है।

केरल मातृत्व में अव्वल, यूपी, एमपी सहित देश के कई राज्यों में मातृ मृत्यु अनुपात बेहद चिंताजनक

नई दिल्ली। देश में केरल राज्य शिक्षा के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को लेकर शीर्ष पर आ गया है। केरल राज्य में देश में सबसे कम मातृ मृत्यु अनुपात है। राज्य में 30 प्रति एक लाख जीवित जन्म दर्ज किया गया है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 2017-19 की अवधि के लिए भारत का मातृ मृत्यु अनुपात सुधर कर 103 हो गया है। केरल का मातृ मृत्यु अनुपात 42 से गिरकर 30 हो गया है। केरल ने वर्ष 2020 में ही एमएमआर के संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों को हासिल कर लिया है। मातृ मृत्यु अनुपात को प्रति 1,000,00 जीवित जन्मों पर मातृ मृत्यु की संख्या के रूप में परिभाषित किया गया है। ऐसे में सवाल उठता कि देश के अन्य राज्यों में मातृ मृत्यु अनुपात क्या है। देश के वह पांच राज्य जिन्होंने इस दिशा में बेहतरीन काम किया है। इसके साथ यह भी जानेंगे कि कौन से राज्य इस लक्ष्य को हासिल करने में अभी पीछे रह गए हैं। किन कारणों से ये राज्य मातृ मृत्यु अनुपात में पीछे रह गए हैं।

1- केरल, तेलंगाना और महाराष्ट्र भारत में सबसे कम एमएमआर वाले शीर्ष तीन राज्यों में शामिल हैं। पश्चिम बंगाल, हरियाणा, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ में मातृ मृत्यु अनुपात खराब हो गया है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार में मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) में काफी सुधार हुआ है। सतत् विकास लक्ष्य हासिल करने वाले राज्यों की संख्या अब पांच से बढ़कर सात हो गई है। इसमें प्रमुख रूप से केरल (30), महाराष्ट्र (38), तेलंगाना (56), तमिलनाडु (58), आंध्र प्रदेश (58), झारखंड (61) और गुजरात (70) है। केरल ने सबसे कम एमएमआर दर्ज किया है, जो केरल को राष्ट्रीय एमएमआर 103 से आगे रखता है। केरल के मातृ मृत्यु दर में 12 अंक की गिरावट आई है।

2- देश में अब नौ राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति द्वारा निर्धारित एमएमआर लक्ष्य को हासिल कर लिया है, जिसमें उपरोक्त सात और कर्नाटक (83) एवं हरियाणा (96) शामिल हैं। उत्तराखंड (101), पश्चिम बंगाल (109), पंजाब (114), बिहार (130), ओडिशा (136) और राजस्थान (141) में एमएमआर 100-150 के बीच है, जबकि छत्तीसगढ़ (160), मध्य प्रदेश (163), उत्तर प्रदेश (167) तथा असम (205) का एमएमआर 150 से ऊपर है।

उत्तर प्रदेश मातृ मृत्यु दर के मामले में दूसरे पायदान पर है। यहां 2017-19 के बीच एमएमआर 167 रही है। वहीं 2016-18 में मातृ मृत्यु दर 197 थी, जबकि 2015-17 में मातृ मृत्यु दर 229 थी। मध्य प्रदेश में मातृ मृत्यु दर 2017 से 2019 तक 163 रही। वहीं 2016 से 2018 तक 173 और 2015 से 2017 तक 188 है। छत्तीसगढ़ में मातृ मृत्यु दर 2017-2019 तक 160, 2016 से 2018 तक 159 और 2015 से 2017 तक 141 तक रही है। राजस्थान में मातृ मृत्यु दर 2017 से 2019 तक 141, 2016 से 2018 तक 164 और 2015 से 2017 तक 186 रही है। बिहार में मातृ मृत्यु दर 2017 से 2019 तक 130, 2016 से 2018 तक 149 और 2015 से 2017 तक 165 रही। पंजाब में मातृ मृत्यु दर 2017 से 2019 तक 114, 2016 से 2018 तक 129 और 2015 से 2017 तक 122 रही। उत्तराखंड में मातृ मृत्यु दर 2017 से 2019 तक 101, 2016 से 2018 तक 99 और 2015 से 2017 तक 89 रही। हरियाणा में मातृ मृत्यु दर 2017 से 2019 तक 99, 2016 से 2018 तक 91 और 2015 से 2017 तक 98 रही।

सुविचार

धन बर्बाद करके आप निर्धन होते है लेकिन समय बर्बाद करके आप अपना जीवन नष्ट करते है। - अज्ञात

संपादकीय

मुफ्तखोरी का बोझ

मुफ्तखोरी की संस्कृति एक प्रतिकूल परंपरा है, जो न केवल राजनीति, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचाती है। 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अर्थशास्त्री एन के सिंह ने मुफ्त उपहार योजनाओं को लेकर कुछ वाजिब सवाल उठाए हैं। साथ ही, यह भी कहा है कि अभी मुफ्त योजनाओं के अर्थ में बहुत अस्पष्टता है। वाकई हमें यह देखना चाहिए कि कौन-सी वस्तु मुफ्त देने लायक है और कौन-सी वस्तु देने लायक नहीं है। मिसाल के लिए, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत और व्यापक करना, रोजगार गारंटी योजनाएं, शिक्षा के लिए सहायता और स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से महामारी के दौरान परिव्यय बढ़ाना सही है। पूरी दुनिया में ऐसे व्यय को न्यायपूर्ण माना जाता है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि दुनिया में गरीबों या अभावग्रस्त लोगों की संख्या कम से कम एक चौथाई है, उनकी आर्थिक-सामाजिक सुरक्षा के प्रबंध करना हर सरकार की जिम्मेदारी है। कोरोना के समय भारत में ही 80 करोड़ लोगों तक मुफ्त अनाज पहुंचाने की कोशिश हुई, उसकी निंदा भला कौन कर सकता है? कई बार लोगों को मुफ्त सेवाएं या वस्तुएं देना जरूरी हो जाता है। ऐसे में, एन के सिंह का इशारा बिल्कुल सही है कि जरूरी और गैर-जरूरी के बीच हमें फर्क करना चाहिए। सरकारों को यह सोचना ही चाहिए कि मुफ्त योजनाएं लंबे समय में अर्थव्यवस्था, जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक सामंजस्य के लिए कितनी महंगी पड़ेंगी। एन के सिंह ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वार्षिक दिवस के अवसर पर साफ कहा है कि मुफ्त योजनाओं की प्रतिस्पर्द्धी राजनीति से हमें डरना चाहिए। हमें आर्थिक विकास की उच्च दर हासिल करने की राह पर चलना चाहिए। आज दक्षता की दौड़ ही संपन्नता की दौड़ है। ऐसी योजनाएं अगर बढ़ती गईं, तो उन राज्यों का क्या होगा, जिनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही बहुत दबाव में है। सरकारों पर जो कर्ज है, उसे भी देखना चाहिए। वस्तुत- कर्ज लेकर मुफ्त योजनाओं के दम पर राजनीति करना एक बड़े वर्ग के साथ अन्याय भी है। अनुमान के अनुसार, पंजाब में मुफ्त योजनाओं या उपहारों के वादे को लागू करने में लगभग 17,000 करोड़ रुपये खर्च हो सकते हैं। इससे जीएसडीपी के तीन प्रतिशत के बराबर का अतिरिक्त भार पड़ेगा। पंजाब के सकल घरेलू उत्पाद में पचास प्रतिशत से ज्यादा तो ऋण है, मतलब मुफ्त योजनाओं से पंजाब पर भार बढ़ना तय है। उन्होंने एक और उपयोगी मिसाल दी है। राजस्थान की सरकार ने घोषणा की है कि वह पुरानी पेंशन योजना को लागू करेगी। यह निर्णय प्रतिगामी है, क्योंकि पुरानी पेंशन योजना से पीछा छुड़ाना इस तथ्य पर आधारित था कि वह योजना समानता पर आधारित नहीं थी। राजस्थान का पेंशन एवं वेतन व्यय उसके कर और गैर-कर राजस्व का करीब 56 प्रतिशत है, यानी उसकी छह प्रतिशत सिविल सेवक आबादी को राज्य के 56 प्रतिशत राजस्व का लाभ मिलता है। यह समानता और नैतिकता के सिद्धांत के भी विपरीत है। यह सही है कि सरकारों की व्यय प्राथमिकताओं की वजह से विकास व विकास की योजनाओं पर असर पड़ रहा है। मुफ्त सुविधाओं से कुशलता और प्रतिस्पर्द्धा, दोनों पर नकारात्मक असर पड़ता है। वह मुफ्तखोरी के अर्थशास्त्र को निरपवाद रूप से गलत बताते हुए सुधार की पैरोकारी करते हैं। मुफ्त उपहार की राजनीति व उसके अर्थशास्त्र, दोनों में गहरी खामियां हैं। यह दौड़ नीचे की ओर है, जिससे बचना चाहिए।

आज के कार्टून

कठिनाई

श्रीराम शर्मा आचार्य/ अगर किसी को जीवन में महान बनना है, तो उसके लिए उसे बड़ी से बड़ी कठिनाई का सामना भी करने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। साथ ही, महान बनने के बाद उस महानता को उसे हजम करने की कला भी आनी चाहिए क्योंकि जो व्यक्ति अपने आपको जितना महान समझता है, उसके शत्रु भी उतने ही अधिक होते हैं। दरअसल, आज के दौर में किसी की सफलता को देख कर खुश होने वाले लोगों की संख्या अब पहले के समय जितनी नहीं रह गई है। दूसरों को सफल होते देख उनकी प्रशंसा करने का गुण पनपा तो तभी न जब माहौल में गलाकाट स्पर्धा का भाव इतना तीखा हो गया है। महानता का भाव एक प्रकार का मानसिक रोग है। जो व्यक्ति अपने आपको महान समझता है, वह अंतर्मन से असंतुष्ट रहता है। उसके मन में भारी अंतर्द्वंद्व जारी रहता है। वह बड़े-बड़े काम का आयोजन करता है। उसके सभी काम असामान्य होते हैं। वह संसार को ही गलत मार्ग पर चलते हुए देखता है और उसके सुधार करने की धुन में लग जाता है। महानता के भाव से प्रेरित कोई व्यक्ति अपने प्रतिद्वंद्वी पर भौतिक विजय प्राप्त करने की चेष्टा करता है, और कोई नैतिक। नैतिक विजय में वह अपने शत्रु को मित्र बनाने में भी समर्थ नहीं होता परंतु संसार में उसको पद पर से गिराने में समर्थ होता है। इस प्रकार जितने लोगों को वह नैतिक दृष्टि से संसार में नीचा सिद्ध करने की चेष्टा करता है, वे सब उसके शत्रु बन जाते हैं। इन शत्रुओं की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जाती है परंतु शत्रुओं की संख्या बढ़ती हुई देखकर उसे कोई आश्चर्य नहीं होता। वह समझता है कि उसके उच्चादर्श का समाज द्वारा विरोध होना स्वाभाविक ही है। जब तक इन शत्रुओं से लड़ने को वह अपने आप में सामर्थ्य पाता है, वह कुछ न कुछ रचनात्मक काम में लगा रहता है। इस प्रकार वह संसार का कल्याण करने में समर्थ होता है पर जब अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने की उसकी आशा निराशा में बदल जाती है, तो स्वाभाविक रूप से वह विक्षिप्त अथवा निराश पापी मनोवृत्ति का हो जाता है। इसलिए जीवन को बहुत ही संभल कर सावधानीपूर्वक जीना चाहिए जिससे आने वाली कठिनाइयों का अंत वह विवेकपूर्ण तरीके से कर सके। कहा भी जाता है कि एहतियात ही व्यक्ति का सुरक्षा कवच होती है।

जिज्ञासा व सृजनात्मकता विकसित करे शिक्षा

अविजीत पाठक

क्या हम अपने बच्चों के बड़ा होने की प्रक्रिया में खुद को व्याकुल होने देने की अनुमति गवारा कर सकते हैं, जब पाते हैं कि कैसे उन्हें इम्तिहानों का तनाव, अंतहीन मानकीकरण परीक्षाओं का सिलसिला, कोचिंग सेंटरों के फंदे और अत्यधिक तनावों एवं चिंता से भरी जिंदगी जीने से गुजरना पड़ रहा है। क्या इसको सामान्य मानकर स्वीकार करें या फिर इस आभासीय तर्क को लेकर खुश हों कि इस दबाव से कड़ी मेहनत करना सीख रहे हैं और अत्यंत-प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया के लिए तैयार हो रहे हैं। यहां यह सवाल इसलिए उठाया जा रहा है कि यह साल की वह अवधि है जब बच्चों को परीक्षाओं के सिलसिले और प्रवेश इम्तिहान जैसे कि बोर्ड परीक्षा, जेईई, नीट और नवीनतम घोषित सीयूईटी इत्यादि से जूझना पड़ रहा है। हमारा बहुत ज्यादा आलोचनात्मक समाज योग्यता को उत्तीर्णता से तोलेगा, अव्वल आने वालों की सफलता गाथाओं का बखान होगा और जो इस चूहा दौड़ के दबाव को सह नहीं पाए उनकी आलोचना होगी और मजाक तक उड़ेगा। यह वह समय भी होता है जब चिंता-ग्रस्त अभिभावकों की भी रातें काली हो जाती हैं, कोचिंग सेंटर या एजुकेशन कंपनियां उनके इस फिक्र का दोहन करते हैं। वे भौतिकी, गणित, रसायन शास्त्र और जीव-विज्ञान इत्यादि विषयों में सफलता पाने के दावे कर अपने-अपने पैकेज बेचकर मुनाफा कमाते हैं। क्या यह वही है जिसे हम शिक्षा कहते हैं? क्या यही युवाओं की अंतिम नियति है? अक्सर, व्यवस्था हमें पंगु कर देती है और हम भी यह मानने लगते हैं कि इसका और कोई विकल्प नहीं है। कुछ भी हो, चाहे हमारे बच्चे की रुचि सैद्धांतिक भौतिकी या रचनात्मक कला की ओर हो, उन्हें किसी किस्म की निवेश की वस्तु बना डालें ('अच्छे' अभिभावक वही माने जाते हैं जो अपने बच्चों पर बहुत ज्यादा पैसा लगाकर ब्रांडेड स्कूलों और कोचिंग सेंटरों में पढ़ाएं) और उन्हें लगातार याद दिलाते रहें कि वे इस 'निवेश' को लौटाने लायक बनें। कहें तो, जेईई या नीट में अच्छा स्थान पाकर तकनीकी-कॉर्पोरेट जगत में मोटी पगार पाएं। क्या पढ़े-लिखे होने का यही अर्थ है- नफे-नुकसान के गणितीय तर्क से नापा गया इंसानी रिश्ता और सदा दूसरों से बेहतर कर दिखाने के डर से भरी जिंदगी जीना। तथापि, शिक्षा पर इस संगठित और व्यवस्थित चोट के बावजूद, हम में कुछ को अपनी आवाज जरूर उठानी चाहिए, जागृति लाने की कोशिश करें। यह कहने का साहस कर पाएं कि एक अर्थपूर्ण और मुक्त शिक्षा केवल इम्तिहान और मानकीकरण करना भर नहीं है, न ही यह दौड़ जीतने की रणनीति है। इसकी बजाय, यह है जिज्ञासु और सृजनात्मक होना, यह एक स्वत: स्फूर्त खोज है, यह दुनिया को बूझने की एक अंतहीन रुचि है- भौतिक, जैविक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहलुओं में, यह बच्चे के अंदर मानवीय और आलोचनात्मक चेतना जगाती हो, जो शिक्षार्थी को समानतावादी और दयालु समाज की सृजना के लिए सिद्ध किया गया कौशल इस्तेमाल करने लायक बनाए। शिक्षित होने का ध्येय एक आत्ममुग्ध योद्धा बनना नहीं है, इसकी बजाय शिक्षा का संवेदनशील होना जरूरी है, जो दूसरों का ख्याल और प्यार करना सिखाए, जो हमें लड़ाई, सैन्यकरण, हिंसा, पर्यावरण विध्वंस का प्रतिरोध और निरंतर सरकारी निगरानी तले जीने वाले समाज के भयावह परिणामों का प्रतिरोध करने को प्रेरित करे। आज जैसी शिक्षा हमें देखने को मिल रही है उसके बारे में महान शिक्षाविद जैसे कि रविंद्रनाथ टैगोर, जिद्दू कृष्णमूर्ति और पाओलो फ्रेयर ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। पाबलो नैरूदा या अमृता प्रीतम जैसे कवि, आइसैक न्यूटन या एल्बर्ट आइंसटाईन जैसे वैज्ञानिक या बिपन चंद्रा या इरफान हबीब जैसे इतिहासकार कभी नहीं चाहेंगे कि उनके किए सतेज काम को परीक्षा के एमसीक्यू पैटर्न वाले मौजूदा रूप में इस कदर कमतर बना दिया जाए। हमारे बच्चे केवल परीक्षाओं की शृंखला को हल करने के लिए पैदा नहीं हुए हैं, जिसका मंतव्य मापने के बेतुके पैमानों से लोगों को बुद्धिमत्ता, नैतिकता और राजनीतिक समझ से परिपूर्ण करने की बजाय केवल छंटाई या खत्म करना है। प्रत्येक बच्चा संभावना रखता है और उसकी विलक्षणता को किसी जेईई या नीट रैंक से नहीं नापा जा सकता। हर वह समाज जो आकांक्षाओं और कौशल का मानकीकरण करना चाहता है, इस क्षमता का इस्तेमाल करने में विफल रहता है। वास्तव में, मानकीकरण का जुल्म और परीक्षाएं मानव की संभावनाओं को मार डालते हैं। लेकिन ऐसे प्रत्येक इम्तिहान के बाद, अव्वल रहने वालों की 'विजय गाथाएं' बेची और प्रचारित की जाती हैं, इससे हमारे अधिकांश युवा- जख्मी आत्मा लिए- खुद को असफल और अर्थहीन मानने के 'कलंक' के साथ जीने के लिए मजबूर रहते हैं। इस असल मुद्दे का निदान करना आसान नहीं है। इसकी बजाय, प्रेरित करने वाले धाराप्रवाह वक्ताओं को आमंत्रित करना सरल है ताकि युवाओं को 'परीक्षा योद्धा' में तब्दील होने के लिए प्रोत्साहन दें। या फिर, इस बारे में, यहां तक कि प्रधानमंत्री मोदी

के लिए भी, एक परामर्शदाता की तरह व्यवहार करना आसान है, वे भी चिंता-ग्रस्त छात्रों को परीक्षा को एक त्योहार की तरह लेने की सलाह देते हैं। यह स्वीकार करना बहुत मुश्किल है कि शिक्षा की मौजूदा परिपाटी और कुछ नहीं बस एक तरह की हिंसा है। यह 'उत्पाद' तैयार करती न कि दयालु इंसान, यह खुदगर्जी और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देती है न कि साझेदारी और एकजुटता का उल्लास, यह आत्महीन विशेषज्ञ तो पैदा कर सकती है किंतु कवि, संत और क्रांतिकारी नहीं। यह आरामतलब पैदा करती है। इसलिए, परीक्षाओं वाले इस काल में, हम में से वे लोग जो अलग सोच रखते हैं, शिक्षा को बचाने के लिए नई मुहिम शुरू करने का प्रण करें और हमारे बच्चों को तकनीकी-फासीवाद, सैन्यवादी राष्ट्रवाद और नव-उदारवादी एवं बाजार चालित उपभोक्तावाद से मुक्त नई दुनिया बनाने का नजरिया प्रदान करें। हमें उन अध्यापकों को प्रोत्साहित करना होगा जिन्होंने अबतक अपनी सृजनशीलता नहीं खोई है और कोचिंग सेंटरों के धंधे से खुद को दूर रखे हुए हैं। हमें उन अभिभावकों के साथ मिलकर काम करना होगा जो खुद को निरंतर हाशिए पर पा रहे हैं क्योंकि वह मानते हैं कि बच्चे केवल परीक्षाएं हल करने लिए पैदा नहीं हुए, अपितु अपनी लय के मुताबिक जीना और बौद्धिक जिज्ञासा एवं सृजनात्मक प्रयोगों से सीखने वाली संस्कृति का आनंद लेने को जन्मे हैं। हमें अपनी आवाज को और बुलंद करना होगा। आखिरकार, शिक्षा को मुक्त करवाए बिना मानवजाति के लिए कोई उम्मीद नहीं है। यह सच है कि व्यवस्था हमेशा नफा, उत्पादकता, तकनीकी-प्रशासनिक कौशल की प्रभावशीलता पैदा करने वाली बोली बोलेगी। लेकिन हमें इन आधिकारिक उपदेशों के छिछलेपन पर सवाल उठाने का साहस अवश्य पाना होगा।

लेखक समाजशास्त्री हैं।

गुरबत मिटा आकाश छूने वाला हुनरबाज

चर्चित चेहरा/ अरुण नैथानी

मुंबई महानगरी सपने तो खूब दिखाती है लेकिन इसका यथार्थ उतना ही कठोर है। जो इसकी मुश्किलों की तपिश में तपना सीख गया कुंदन-सा वही निखरा। किसी रियल्टी शो में किस्मत आजमाने चार साल पहले बिहार के भागलपुर से मुंबई आए युवा आकाश ने विफलता के बाद अभावों की टीस झेली। कभी पार्क में तो कभी मंदिर में ठिकाना मिला। कभी दूध बेचा तो कभी सेवादारी की। मगर इस तपिश से निखरे आकाश ने पांचवें साल में एक टीवी चैनल का चर्चित शो हुनरबाज जीतकर अपनी किस्मत बदल दी। उसे न केवल पंद्रह लाख व ट्रॉफी मिली, बल्कि करोड़ों की शोहरत व लाखों लोगों का प्यार मिला। घर की गुरबत देखिये कि ड्राइवरी करने वाले पिता के पास घर में टीवी नहीं था और वे शो के धारावाहिक पड़ोसियों के घर व मोबाइल पर देख रहे थे। अब आकाश उसी टीवी का सितारा बन गया है। आकाश का संघर्ष और सफलता आकाश से तारे तोड़ लाने जैसे ही कठिन थे। इतना कष्ट और दुख उसके जीवन में था कि कार्यक्रम की जज बनी सिने तारिका परिणीति चोपड़ा टीवी पर ही रो पड़ी थीं। एक भाई के रूप में परिणीति ने उसकी मदद भी की और अच्छे कपड़े तक लाकर दिये। आकाश ने अपने हुनर के बलबूते हुनरबाज शो के तमाम प्रतियोगियों को पछाड़कर यह कामयाबी हासिल की। शुरुआत में एक आम डांस का हुनर आकाश ने हासिल किया। कालांतर सोचा कि लोग हर बार नई चीज देखना चाहते हैं तो उन्होंने नयी तरह का डांस स्टैप खोजा। उन्होंने फिर 'एरियल एक्ट' का सहारा लिया। यह बेहद जोखिम भरा हुनर था। दक्षता हासिल करने के लिये वे घंटों पेड़ों का सहारा लेते। कई-कई घंटे पेड़ों पर खतरनाक ढंग से लटके रहते। बल्कि शो के दौरान उन्हें गहरी चोट भी आई और कई दांत भी टूट गये। लेकिन वे न केवल हादसे से उबरे बल्कि उन्होंने तो हुनरबाज का मेला ही लूट लिया। दर्शक उनके हैरतअंगेज करतब देखकर दांतों तले उंगली दबा लिया करते थे। बहरहाल, आकाश ने फिर साबित किया कि यदि कामयाबी हासिल करने का जुनून हो और उसके लिये लगन से मेहनत की जाये तो पत्थरों में भी फूल खिल सकते हैं। बहरहाल, कभी भागलपुर से महज पंद्रह सौ रुपये लेकर किस्मत आजमाने निकले आकाश ने इस हुनरबाज शो से एक झटके में पंद्रह लाख रुपये कमा लिये। बेशकीमती शोहरत अलग से। चार साल पहले मिली असफलता के बाद वे इतने हताश हो गये थे कि गांव लौटने का हौसला न जुटा सके। फिर हर दिन नया संघर्ष। अब वह संघर्ष कामयाबी के रूप में महका है। मुंबई आने के बाद कदम-कदम पर संघर्ष किया। अब उनके गांव, भागलपुर व बिहार में उनके नाम के खूब चर्चे हैं। इस शो हुनरबाज के लिये जब देश भर से अनूठी प्रतिभाओं का चयन हो रहा था तो आकाश ने जोरदार परफॉर्मेंस दी थी। लोगों ने अंदाजा लगा लिया था कि गुदड़ी का यह लाल शो में जरूर चमकेगा। अभावों की तपिश में तपकर आकाश लगातार निखरता चला गया। वे जूझे, चोटिल हुए, अभावों के दिनों को याद करते हुए भावुक भी हुए। मगर मुंबई की सड़कों व पार्क में रहकर उन्होंने जो कठिन अभ्यास किया, उसका मीठा फल अब जाकर उन्हें चखने को मिला। आकाश के जज्बे को देखकर शो के निर्णायकों ने शुरू में ही कह दिया था कि वह विजेता प्रतियोगी की तरह हुनर दिखा रहा है। निस्संदेह, व्यक्ति को अभावों की तपिश जूझने का जज्बा देती है। बेहद साधारण परिवार में जन्मे आकाश आर्थिक तंगी के बावजूद पथ से डिगे नहीं। कई बार ऐसा भी हुआ कि रात में भूखा सोना पड़ा लेकिन मंजिल पाने की ललक उनके संघर्ष को ताकत

देती रही। वाहन चालक राजकिशोर सिंह व गृहिणी मां पुष्पा की संतान आकाश का जन्म भागलपुर के जमसी गांव में हुआ। गांव में प्रारंभिक शिक्षा हासिल करने के बाद भागलपुर से आकाश ने बी.कॉम किया। जब कुछ अलग करने का मन बनाया तो भागलपुर में ही एक स्टूडियो में डांस का अभ्यास करने लगे। कई रियल्टी शो के लिये मुंबई व कोलकाता में ऑडिशन दिये। शुरुआती दौर में लगातार मिली असफलता ने उन्हें निराश नहीं किया। मुंबई आने पर कई दिन पार्क में रहे तो बाद में एक मंदिर में शरण ली। कुछ लोग जीवन में ऐसे भी आये जिन्होंने उन्हें रात गुजारने की जगह दी। बहरहाल, जब वे हुनरबाज के लिये चुने गये तो उनके अनूठे हुनर को लोगों ने खूब सराहा। शो के प्रोमो के बाद उनकी काफी चर्चा हुई। लोग शो में उनके आने का इंतजार करते थे। यूं तो शो में विभिन्न विधाओं के हुनरबाज किसी से कम नहीं थे, लेकिन आकाश में कुछ अलग था, जिसने उन्हें विजेता बनाया। निस्संदेह एक छोटे से शहर से आकर मुंबई जैसे महानगर में सारे देश के हुनरबाजों में अव्वल रहना एक बड़ी उपलब्धि है। साथ ही वे देश के तमाम संघर्षरत युवाओं के लिये नई मिसाल बने हैं। इस कामयाबी से उनके लिये ग्लैमर की दुनिया के कई दरवाजे खुल गये हैं। आकाश की आज भोजपुरी फिल्मों पर नजर है तो हिंदी फिल्मों के कोरियोग्राफर के रूप में करिअर संवारने का सपना भी देख रहे हैं। वे अपने कामयाबी से खुश हैं और पंद्रह लाख रुपये से अपने माता-पिता के लिये घर बनाना चाहते हैं। उसका सपना है कि वह एक्शन हीरो अक्षय कुमार के साथ काम करे।

सू-दोकू नवताल 2098

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

सू-दोकू -2097 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2098

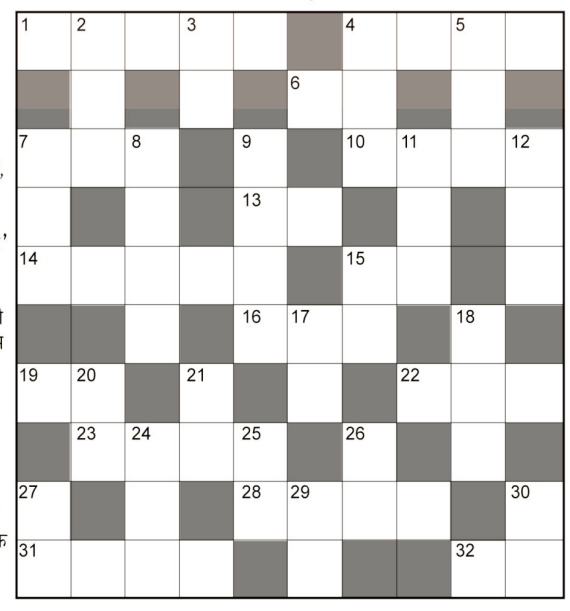

बायें से दायें:-

1. अर्जुन रामपाल, ऐश्वर्या राय की 'कितना मजबूर हो गया' गीत वाली फिल्म-2,1,2
4. 'सोलह बरस इंतजार कर लिया' गीत वाली मिथुन, विनीता की फिल्म-4
6. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-2
7. संजय लीला भंसाली की फिल्म 'सावरिया' की नायिका-3
10. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'मेरे यार दिलदार' गीत वाली फिल्म-4
13. 'ऐसी हसीन चांदनी पहले कभी न थी' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी, पूनम ढिल्लो की फिल्म-2
14. ऋषि कपूर, नीतू सिंह की 'किसी पे दिल अगर आ जाए तो' गीत वाली फिल्म-5
15. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-2
16. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
19. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-2
22. 'परदेस जाके परदेसिया' गीत वाली फिल्म-3
23. संजीव कुमार, विनोद मेहरा, शर्मिला टैगोर की 'जिंदगी अब तो तेरे नाम से डर लगता है' गीत वाली फिल्म-4
28. 'ढोल बजने लगा' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-4
31. अंग्रेजी फिल्म 'फॉर्च्यून कुकी' पर आधारित एक फिल्म जिसमें सुनील गावस्कर ने अभिनय किया था-4
32. 'कहां गए ममता भरे दिन' गीत वाली सुनील शट्टी, रंभा की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

2. क्रिकेट खेल पर आधारित आमिर खान, ग्रेसी सिंह की चर्चित फिल्म-3
3. 'हर तरफ तू' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा शेट्टी, करिश्मा की फिल्म-2
4. राजेंद्र कमार, सायरा बानो की 'अपने पिया की प्रेम पुजारन' गीत वाली फिल्म-3
5. 'तू मैके मत जइयो' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-3
7. 'तेरा रंग बल्ले बल्ले' गीत वाली फिल्म-3
8. 'गम का फसाना बन गया अच्छा' गीत वाली संजीव, लीना चंदावरकर की फिल्म-4
9. राजकुमार, विनोद खन्ना, वहीदा रहमान, की 'हमें तुमसे प्यार कितना' गीत वाली फिल्म-4
11. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीत वाली फिल्म-3
12. तब्बू की 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म-3
15. 'अपुन बोला तू मेरी लैला' गीत वाली फिल्म-2
17. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिंपल की 'कागज पे कुछ हो लिखा' गीत वाली फिल्म-2
18. 'एक गगन का राजा' गीत वाली सुनील दत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-3
20. सोनू सूद, नेहा धूपिया की 'यार को मैंने मुझे यार ने सोने ना दिया' गीत वाली फिल्म-2
21. 'दिल के टुकड़े-टुकड़े करके' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-2
24. 'काहे जादू किया मुझको इतना बता' गीत वाली अशोक कुमार, नादिरा की फिल्म-3
25. 'चौदहवीं का चांद हो' गीत के संगीतकार-2
26. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की 'कोलबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-2
27. अमिताभ बच्चन वाली फिल्म 'नास्तिक' की नायिका-2
29. फिल्म 'जीवन-मृत्यु' में धर्मेन्द्र की नायिका-2
30. नाना पाटेकर, पुरुराज कुमार, अनुपमा वर्मा की 'कमसिन कली हूं' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2097

सा	व	रि	या		ज	ब	वी	मे	ट
थी		फ्यू		ड		बी		ला	
	बा	जी	ग	र		ता	ल		ब
श	ज		द		गो		व	जू	द
म		ध	र	ती		ही		ली	ला
ब	ल	मा		न	ज	श	ना		
ल		ल		दे			म	म	ता
श	खी		अ	वि	ना	श		ह	
म		रो		यां		बा	द	ल	
	अ	ग	र		बे	ना	म		डी

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरसों में रोग अनेक उपाय एक

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सरसों

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सफेद रोली

यह रोग एल्बूगो कैन्डिडा कवक द्वारा उत्पन्न होता है। जड़ को छोड़कर पौधों के सभी भागों पर रोग के लक्षण दिखाई देते हैं। रोग का प्रभाव पौधे पर दो प्रकार से होता है :

1. स्थानीय 2. सर्वांगी

स्थानीय संक्रमण में पत्तियों और तनों पर फफोले बनते हैं। यह फफोले कुछ उभरे हुए, चमकीले सफेद, अनियमित गोलाकार होते हैं। अधिक पास-पास होने पर यह फफोले मिलकर बड़े धब्बों का रूपधारण कर लेते हैं। फफोले बड़े होने पर बाहरी त्वचा फट जाती है तथा अंदर से कवक के बीजाणुओं का समूह पाउडर के रूप में निकलता है। तरूण तनों तथा पुष्पक्रम पर इस रोग का सर्वांगी असर होता है। उत्तकों की अतिवृद्धि होने से पुष्प अंग फूल जाते हैं। इन सभी अतिवृद्धि अंगों में फफूंद के स्पोर भरे रहते हैं। फलियों के स्थान पर गुच्छे दिखते हैं।

आल्टरनेरिया पर्ण दाग और अंगमारी

यह रोग आल्टरनेरिया ब्रैसिकी और आल्टर ब्रैसिसिकोला कवक से होता है। सर्वप्रथम यह बीमारी बीज पत्रीय पर्णों पर छोटे-छोटे हल्के भूरे रंग के चकत्तों के रूप में दिखाई देते हैं जो कि बाद में काला रूप धारण कर लेते हैं। पत्तियों पर संक्रमण भूरे या गहरे भूरे रंग के दागों से आरंभ होता है और बढ़कर शीघ्र ही यह तनों और फलियों में फैल जाता है। आर्द्र मौसम में दाग मिलकर पत्तियों को झुलसा देते हैं। जिससे पत्तियां झड़ने लगती हैं। फलियों पर दाग आगे बीज का संक्रमण करते हैं। बीमारी वाले बीज छोटे आकार के व सिकड़े हुए स्लेटी या भद्दा रंग धारण कर लेते हैं। जिन वर्षों में पौधे या तो पहले नष्ट हो जाते है या फलियां बनने या पकने के पहले पूर्ण रूप से खत्म हो जाती है।

छाछिया रोग (पाउडरी मिल्ड्यू) :

यह रोग ऐरीसाइफी क्रुसीफेरेरम कवक द्वारा होता है। संक्रमित पौधों में प्राय: जमीन के सम्पूर्ण हिस्सों पर यह रोग देखा जा सकता है। प्रारंभ में यह रोग पौधों के तनों पत्तियों एवं फलियों पर श्वेत, गोल चूर्णित धब्बों के रूप में दिखाई पड़ता है। तापमान की वृद्धि के साथ-साथ में धब्बे आकार में बड़े हो जाते हैं और समस्त पौधों को ढ़क लेते है। ऐसे पौधों की बढ़वार बहुत कम होती है और फलियां भी कम लगती हैं। रोगग्रस्त फलियां आकार में छोटी हो जाती हैं और उनमें सिकुड़े हुए कुछ ही बीज बन पाते हैं।

तना गलन

यह रोग स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम कवक से होता है। रोग के लक्षण के आधार पर इसे श्वेत-अंगमारी, तना विगलन, शाखा विगलन, शिखर विगलन तथा कैंकर कई नामों से जाना जाता है। तने के निचले भाग में मटमैले या भूरे रंग के फफोले दिखाई देते हैं। प्राय: यह फफोले रूई जैसे सफेद जाल से ढ़के रहते हैं। पत्तों पर इसके लक्षण कम दिखाई देते हैं। इसी कारण जब तक कि पूरा का पूरा पौधा अंदर से गल न जाए, रोगग्रस्त पौधे आसानी से पहचान में नहीं आता। ये फफोले तने व पत्तों को इस तरह ढ़क लेते हैं कि पौधा मुरझाकर लटक जाता है अंत में सूख जाता है। इस रोग के प्रभाव से पौधा बोना हो जाता है और समय से पहले ही पक जाता है। रोग के बीजाणु काले उड़द के दानों की तरह तने के भीतरी भाग में पनपते हैं जिससे कि बाहर से देखने पर उसका आभास ही नहीं हो पाता। कई बार ये बीजाणु तने की ऊपरी सतह पर भी दिखाई देते हैं।

औरोबंकी या आग्या

सरसों, तोरिया, राया फसलों पर औरोबंकी इलिप्टिका परजीवी का प्रकोप होता है। औरोबंकी से ग्रस्त पौधे सरसों के छोटे रह जाते है और कभी-कभी मर भी जाते हैं। औरोबंकी के चूषकांग (हॉस्टोरिया) सरसों की जड़ो में घुसकर पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। सावधानी से उखाड़ कर देखें तो पता चलता है कि औरोबंकी की जड़े सरसों की जड़ों के अंदर घुसी हुई दिखती है। सरसों के पौधे के नीचे मिट्टी से निकलते हुए औरोबंकी परजीवी दिखाई पड़ते है।

सरसों में समन्वित रोग प्रबंध

- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा तथा डाऊनी मिल्ड्यू रोग लगता है। उन क्षेत्रों में एपरॉन 35 एसडी का बीजोपचार करें।
- जिन क्षेत्रों में तना गलन का प्रकोप होता है वहां कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें या थायोफिनेट मिथाईल 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें।
- फसल की सिंचाई आवश्यकतानुसार करें तथा खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- बुवाई समय पर यानि अक्टूबर माह के अंत तक पूरी कर देनी चाहिये देरी से बुवाई में अधिक रोग लगते है।
- पौधों में फूल आने पर 0.1 प्रतिशत पर से कार्बेन्डाजिम अथवा थायोफिनेट मिथाइल को 20 दिन के अंतराल में दो बार (बुवाई के 50 एवं 70 दिन बाद) पत्तियों पर छिड़काव करने से सरसों में तना गलन को नियंत्रित किया जा सकता है।
- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा एवं डाऊनी मिल्ड्यू का प्रकोप जहां होता है वहां इन रोगों के लक्षण दिखाई देते ही रिडोमिल एम जेड या मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें आवश्यकतानुसार पुन: 15 दिन बाद दोहरावें।
- जिन क्षेत्रों में छाछिया रोग का प्रकोप होता है वहां रोग नियंत्रण के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किलो प्रति हेक्टेयर का भुरकाव करें।
- जहां औरोबंकी का प्रकोप अधिक होता है वहां औरोबंकी परजीवी को हाथ से उखाड़कर या सावधानी से कसी से निराई-गुड़ाई द्वारा जमीन के ऊपर के तने को काटकर बीज बनने से पहले ही नष्ट कर देना चाहिये।
- औरोबंकी के पौधों पर दो बूंद सोयाबीन के तेल का डाल देने से भी पौधा मर जाता है। यदि रसायनों का प्रयोग करना है तो सावधानी से औरोबंकी पर ग्लाइफोसेट 0.4 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें ध्यान रहे सरसों पर न गिरे।
- जहां सफेदरोरी का प्रकोप अधिक होता है वहां बेसिका अल्बा, ब्रेसीका केरीनेटा, ब्रेसीका नेपस का जातियां सफेदरोरी व अन्य रोगों से रोधी है उपयोग में लावें।
- तना गलन का प्रकोप होता है वहां धान व मक्का का फसल चक्र अपनावें, औरोबंकी ग्रसित क्षेत्रों में अरंडी का फसल चक्र अपनावें। उड़द एवं सरसों की क्रमवार बुवाई से भी तना गलन कम होता है।
- नए क्षेत्रों में औरोबंकी या अन्य रोगी खेत से बीज का प्रवेश नहीं होने देना चाहिये तथा परजीवी के बीज रहित सरसों के शुद्ध बीज का उपयोग करना चाहिये।

सावधानी से करें यूरिया का उपयोग

यूरिया का वर्गीकरण

यूरिया बहुउपयोगी उत्पाद है जिसको निम्न लिखित तीन वर्गों में विभाजित किया गया है.

कृषि ग्रेड यूरिया

कृषि फसलों एवं उद्यानिकी फलों, मसाला, सब्जियों आदि हेतु.

पशु आहार ग्रेड यूरिया

विभिन्न श्रेणी के पशुओं के दूध बढ़ाने फैट की मात्रा बढ़ाने तथा प्रोटीन के प्रमुख स्रोत हैं.

टेक्निकल ग्रेड यूरिया

औद्योगिक उत्पाद के लिए पेड़-पौधों को यूरिया की उपलब्धता तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में नत्रजन की क्षति - यूरिया का उपयोग मुख्य रूप से दो प्रकार से फसलों की आयु, वृद्धि की स्थिति, खेत की मिट्टी, जल स्तर, मिट्टी की अम्लता एवं क्षारीयता आदि स्थितियों के आधार पर किया जाता है। ठोस गोलियों के रूप में यूरिया को खेत की तैयारी के समय अन्य कार्बनिक खाद, स्फुर, पोटाश, सूक्ष्म तत्वों के साथ डाला जाता है। परंतु यह ध्यान रखें कि यूरिया कम से कम 3 इंच गहराई तक डाला जावे जिससे वह जमीन के अंदर अन्य जैविक स्रोतों, उपस्थित एंजाइम आदि के संयोजन से पौधों को उपलब्ध हो सके। समुचित नमी के अभाव में अथवा आक्सीजन की कमी आदि के कारण यूरिया के नत्रजन की गैस रूप में क्षति होती है। यदि भूमि अम्लीय एवं क्षारीय हो तो यूरिया न डाला जाए क्योंकि यूरिया उर्वरक की विशेषता है कि वह न तो अम्लीयता और न क्षारीयता के रासायनिक क्रिया में न्यूट्रल रहता है। यूरिया की खास विशेषता है कि वह पौधों को नाइट्रेट के रूप में नत्रजन देती है परंतु रासायनिक क्रियाओं में न्यूट्रल रहती है। जल में शीघ्रता से घुल जाती है तथा मिट्टी इसे अपने में सोख लेती है। खड़ी फसल में यूरिया कई बार पौधों की वृद्धि के अनुसार छिड़क कर दिया जाता है परंतु ऊपरी सतह पर सिंचाई करना जरूरी है।

यूरिया घोल के रूप में छिड़कना

यूरिया को ठोस उर्वरक के रूप में उपयोग करने के साथ विपरीत परिस्थितियों में घोल के रूप में देना विशेष लाभप्रद है। क्योंकि उर्वरक की मात्रा कम लगती तथा उसका प्रभाव पत्तियों पर शीघ्र पड़ता है। घोल के रूप में यूरिया छिड़कते समय वायुमंडलीय आर्द्रता, पौधों की आयु, वानस्पतिक वृद्धि, पत्तियों का अच्छा विकास, पत्तियों में संचयित शकर की मात्रा के आधार पर घोल की सांद्रता निर्धारित करें। यूरिया को घोल के रूप में देते समय कीटनाशक दवाओं, फफूंदनाशक दवाओं, खरपतवारनाशक दवाओं के साथ मिलाकर छिड़कने से विशेष लाभ होता है परंतु ऐसे मिश्रण बनाते समय रसायनों का फैलाना आदि किसी कृषि जानकर वैज्ञानिक की सलाह से करना उचित होगा।

यूरिया घोल का छिड़काव किस प्रकार के स्प्रेयर से करें तथा घोल की सांद्रता कितनी रखी जावे

सामान्यत: ग्रामीण क्षेत्रों में नेपसेक स्प्रेयर (हॉइवाल्यूम) आसानी से उपलब्ध होते हैं। उसमें फाइन नोजल रखा जावे तथा 6% घोल 600-800 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें। मुलायम, नवीन पत्तियों वाले पौधों पर पतला घोल तथा वयस्क एवं हाई पौधों की सांद्रता वैज्ञानिकों के द्वारा की गयी अनुशंसा के आधार पर करें।

निम्न परिस्थितियों में यूरिया घोल को छिड़काव करना चाहिए -

- जब खेत में आधार या टाप ड्रेसिंग तरीके से उर्वरक देना संभव न हो।
- खेत की तैयारी हेतु समय कम हो।
- क्षारीय एवं अम्लीय मिट्टियां तथा मरुभूमि में।
- फसल प्रतिस्पर्धा तथा भूमि स्थिति ठीक न हो।
- जब पौधे की गुणवत्ता तथा मरम्मत आदि निर्धारित हो।
- जब उर्वरक महंगा एवं अनुपलब्ध हो।
- असिंचित एवं बारानी भूमि।
- जब फसल कमजोर एवं क्षतिग्रस्त हो।

यूरिया का विकार बाइयुरेट

जब यूरिया की प्रिल (गोलियां अधिक (उच्च) तापमान एवं दाब पर बनाई जाती हैं तो समय अधिक लगने से यूरिया में एक अशुद्धि हो जाती है उसे 'बाइयुरेट' कहते हैं। जिन यूरिया में 1-2 प्रतिशत तक बाइयुरेट हो तो उसे आधार खाद या टाप ड्रेसिंग के लिए दिया जाये परंतु घोल के रूप में 0.300-0.4% के बाइयुरेट वाली यूरिया पशु आहार के रूप में उपयोग की जाती है। वह पशु आहार के लिए उपयुक्त है।

यूरिया घोल छिड़कते समय निम्न बातों पर ध्यान दें-

- यूरिया घोल की सांद्रता पौधों की आयु, वृद्धि के आधार पर निर्धारित करें।
- पत्तियों का अच्छा फोलरिज हो।
- हवा एवं वर्षा की स्थिति में छिड़काव न करें.
- दिन के गर्म अवधि में छिड़काव न करें.
- स्प्रेयर का नोजल महीन बूंदें दें।
- यूरिया घोल में कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक दवाओं का उचित मिश्रण बनाकर ही छिड़काव करें।

अरहर फसल को कीटों के प्रति अधिक सावधानियां रखनी होती है क्योंकि इस फसल में भी अन्य फसलों की तरह अंकुरण से लेकर पकने तक की अवस्था में विभिन्न प्रकार के कीटों का आक्रमण होता है परंतु फूल एवं फली वाली अवस्था में प्रकोप होने पर उत्पादन में कमी आ जाती है। इन अवस्थाओं में आर्थिक रूप से हानि पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों को मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-

अरहर में एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन

भेदक कीट

हरी रोंयेदार इल्ली या पिच्छकी शलभ (प्लूम मॉथ), चने की इली (हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा), फली मक्खी (पॉड फ्लाई), चित्तीदार फली भेदक (स्पाटेड पॉड बोरर) आदि।

रसचूसक कीट

भूरा फली बग (क्लेवीग्रेला गिब्बोसा) आदि।

समन्वित कीट प्रबंधन की विभिन्न विधियों का विवरण इस प्रकार है-

- फसल अवशेषों को नष्ट तथा ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करना चाहिये।
- अरहर की जल्दी पकने वाली जातियों का चुनाव करें जैसे- प्रगति, जाग्रति, उपास 120, प्रभात आदि।
- जिन क्षेत्रों में चित्तीदार फली भेदक का प्रकोप अधिक होता है वहां पर मध्यम अवधि की किस्मों की खेती करें जैसे आशा, नं. 148 आदि। इन जातियों में कीट प्रकोप कम होता है।
- प्रारंभिक अवस्था में हरी रोयेंदार इल्ली (पिच्छकी शलभ) की हरे या भूरे रंग की इल्लियों तथा शंखियों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
- चने का फली भेदक प्रकोपित क्षेत्रों में फेरोमेन प्रपंच का उपयोग करें तथा हर दिन सुबह इनमें इकट्ठी पंखियों को नष्ट कर दें। एक हेक्टेयर में 5 फेरोमेन प्रपंच लगाना चाहिए। इन प्रपंचों में प्रयुक्त सेप्टा को 15 दिन बाद बदल दें।
- प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें तथा सुबह इनमें इकट्ठा प्रौढों को नष्ट कर दें।
- खेत के अन्दर 4 से 5 मीटर की दूरी पर टी आकार की बांस की खूंटियों को, जिसकी लगभग ऊंचाई फसल से 30 से.मी. अधिक हो, लगा दें।
- अरहर की फसल में हानिकारक कीटों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के परभक्षी मित्र जीव (मकड़ी, बड़ा पतंगा, मेन्टिड, काक्सीनेला, रिजूविड बग, क्रायसोपा आदि) परजीवी मित्र कीट (एपेन्टेलिस, ब्रेकान, ग्रायन, डायडिगमा, केम्पोलेटिस आदि) तथा रोगाणु पाये जाते हैं। अत: कीटनाशकों का प्रयोग बहुत सोच समझकर करें ताकि मित्र जीवों का संरक्षण एवं संवर्धन फसल के अंदर होता रहे।
- हानिकारक कीटों के सर्वेक्षण के अंतर्गत फसल पर फूलने एवं फली भरने की अवस्था पर हानिकारक कीट एवं उनके प्राकृतिक शत्रु (मित्र कीट) की संख्या के आकलन हेतु सामान्य नजरिया आकलन सप्ताह में दो बार करना चाहिये।
- अरहर में फूल आने की अवस्था में जब कीड़े आर्थिक हानि स्तर पर पहुंचने लगे या हानिकारक कीटों एवं लाभदायक जीवों का अनुपात 1: 05 होने पर सतर्क हो जायें तथा कम अनुपात होने पर कीटनाशकों का उपयोग करें। पहला छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर एन. पी. वी.(न्यूक्लियर पालीहाइड्रोसिस वायरस) का 250-500 एल.ई. या नीम तेल का 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। यह नव विकसित इल्लियों के नियंत्रण के लिये काफी कारगर होता है।
- कीटों के अधिक प्रकोप होने की स्थिति में रसायनिक नियंत्रण के लिए प्रथम छिड़काव मेलाथियान 50 ई.सी. 35 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से एवं उसके 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव इसके बाद भी आवश्यकता पड़ने पर फिर से 15 दिन बाद तीसरा छिड़काव क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से करें। हमेशा अदल-बदल कर कीटनाशकों का उपयोग करें।

उक्त समन्वित विधियों को अपनाकर किसान भाई अरहर के हानिकारक कीटों

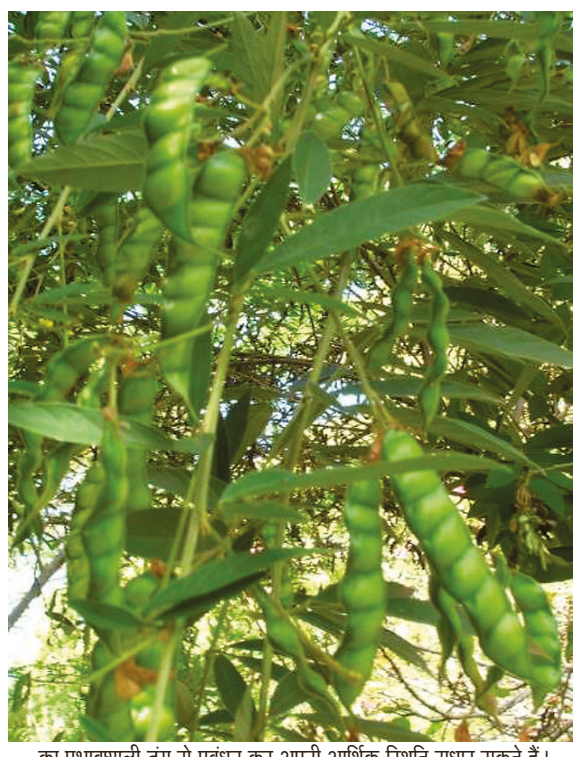

का प्रभावशाली ढंग से प्रबंधन कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं। साथ ही कीटनाशकों से होने वाली प्रदूषण की समस्याओं को भी कम कर सकते हैं।

संघर्ष कर रहे केकेआर के सामने मजबूत गुजरात टाइटंस की मुश्किल चुनौती

नवी मुंबई (एजेंसी)।

पूर्व चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तालिका में शीर्ष पर काबिज गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच से अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की पूरी कोशिश करेगी। लगातार तीन हार का सामना करने के बाद श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गई है और अपने पहले सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रही गुजरात की टीम के खिलाफ उनका काम और मुश्किल होगा। हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में दमदार प्रदर्शन कर रही है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में चोटिल हार्दिक की गैरमौजूदगी में भी गुजरात ने जीत दर्ज की। इस मुकाबले में डेविड मिलर (51 गेंद में नाबाद 94) और कार्यवाहक कप्तान राशिद खान (21 गेंद में 40 रन) ने टीम के लिए दमदार बल्लेबाजी की। राशिद ने मैच के बाद कहा था कि हार्दिक की चोट गंभीर नहीं है। हरफनमौला पंड्या बल्ले से शानदार लय में है। उन्होंने इस दौरान पांच पारियों में 76 के औसत से 228 रन बनाये है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में केकेआर की गेंदबाजी के खिलाफ खूब रन बने थे।

उमेश यादव, पैट कमिंस और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती (दो ओवर में 30 रन) ने खूब रन लुटाये थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या टीम में टिम साउदी की वापसी होगी क्योंकि केकेआर के गेंदबाज शुरुआती ओवरों में विकेट लेने में जूझ रहे है। टीम के सबसे पुराने खिलाड़ियों में से एक सुनील नारायण एक बार फिर अपना प्रभाव छोड़ रहे है। उन्होंने सात मैचों में 5.03 की औसत से रन खर्च किये है लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अच्छा साथ नहीं मिल पा रहा है। इस मैच में केकेआर के पूर्व खिलाड़ी शुभमन गिल और नारायण की अच्छी भिड़ंत देखने को मिल सकती है। गिल ने इस सत्र में दो बड़ी पारियां (दिल्ली के खिलाफ 84 और पंजाब के खिलाफ 96 रन) खेली है लेकिन दोनो बार शतक से चूक गये। केकेआर के लिए अनुभवी भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे (पांच मैचों में 80 रन) की लय चिंता का सबब है। वह सलामी बल्लेबाज के तौर पर विफल रहे है ऐसे में टीम को उनके विकल्प के बारे में सोचना पड़ सकता है। गुजरात टाइटंस की गेंदबाजी मजबूत है जिसमें न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन, भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के अलावा अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान के पास विकेट लेने के साथ रन गति रोकने की क्षमता है।

सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के मैच में उमरान और कार्तिक के प्रदर्शन पर होगी नजर

मुंबई। खराब शुरूआत के बाद लगातार चार मैच में जीतने वाली सनराइजर्स हैदराबाद की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में शनिवार को यहां जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) का सामना करने के लिए मैदान में उतरेगी तो शानदार लय में चल रहे उसके युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक के सामने दिनेश कार्तिक और फाफ डुप्लेसी जैसे दिग्गजों को रोकने की चुनौती होगी। उमरान ने इस सत्र में अपनी तूफानी गेंदों से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। उनकी तेज गति ने श्रेयस अय्यर जैसे स्थापित बल्लेबाजों को भी परेशान किया है। अनुभवी भुवनेश्वर कुमार के साथ इस 22 साल के गेंदबाज ने शानदार जोड़ी बनायी और दोनों ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में सात विकेट झटक कर मैच का रुख मोड़ दिया था। इस दोनों के अलावा तेज गेंदबाजी विभाग में सनराइजर्स के पास यॉर्कर-विशेषज्ञ टी नटराजन और दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन जैसे प्रभावी गेंदबाज भी है। यानसेन भी अपने कोण और विविधताओं से बल्लेबाजों को परेशान करने में सफल रहे हैं। इन गेंदबाजों के सामने शानदार लय में चल रहे अनुभवी डुप्लेसी और कार्तिक को रोकने की चुनौती होगी। कप्तान डुप्लेसी ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ शीर्ष क्रम के लड़खड़ाने के बीच एक बार फिर दमदार पारी खेली। वह चार रन से शतक से चूक गये लेकिन उनकी पारी से टीम ने 18 रन की शानदार जीत दर्ज की। दूसरी ओर कार्तिक लीग में अपने सर्वश्रेष्ठ सत्र का लुत्फ उठा रहे है। अंक तालिका में आसीबी अगर शीर्ष चार में है तो वह इस विकेटकीपर बल्लेबाज की दमदार बल्लेबाजी के कारण है। उन्होंने सात पारियों में 32,14, 44, सात, 34, 66 और 13 रन बनाये है और इस दौरान केवल एक बार आउट हुए हैं। लेकिन इन दोनों के अलावा सिर्फ ग्लेन मैक्सवेल ही आरसीबी के लिए लगातार अच्छी पारियां खेल पाये है। इस मैच में सब की निगाहें पूर्व कप्तान विराट कोहली पर भी होगी जो जल्द ही खराब लय से उबरना चाहेंगे।

सर्बिया ओपन : पहला सेट गंवाने के बाद जोकोविच की शानदार वापसी, सेमीफाइनल में पहुंचे

बेलग्रेड (एजेंसी)।

विश्व में शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद अच्छी वापसी करके सर्बिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनायी। जोकोविच ने मियोमीर केकमानोविच को 4-6, 6-3, 6-3 से हराया। यह उनकी हमवतन सर्बियाई खिलाड़ी के खिलाफ लगातार 10वीं जीत है। सेमीफाइनल में जोकोविच तीसरी वरीयता प्राप्त कारेन खाचनोव से भिड़ेंगे, जिन्होंने ब्राजील के क्वालीफायर थियागो मोंटेइरो को 7-5, 6-4 से पराजित किया। जोकोविच को इससे पहले बुधवार को भी हमवतन लासलो जेरे पर 2-6, 7-6 (6), 7-6 (4) से जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा था। इससे पहले गुरुवार को दूसरी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव ने जिरी लाचेका को 4-6, 7-6 (1), 6-2 से और फैबियो फोगनिनी ने अलयाज बेडेने को 6-2, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए बढ़ी मुश्किलें, खेमे में आया एक और कोरोना मामला

मुंबई। (एजेंसी)।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम को आज राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच खेलना है। पर उससे पहले टीम को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के परिवार का एक सदस्य कोरोना की चपेट में आ गया है। जिस कारण वह अपने पूरे परिवार समेत क्वारंटीन होने जा रहे हैं। इस कारण वह दिल्ली की टीम के साथ जुड़ नहीं सकते। इस बारे में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने जानकारी देते हुए कहा कि पोंटिंग के परिवार में कोरोना का मामला सामने आया है। जिस कारण वह टीम से दूर रहेंगे और परिवार के साथ क्वारंटीन रहेंगे। पोंटिंग और उनके परिवार का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। हालांकि रिकी पोंटिंग की कोरोना रिपोर्ट नैगेटिव आई है। पर टीम प्रबंधन ने फैसला लिया कि उन्हें 5 दिनों तक आइसोलेशन में रखा जाए। गौर हो कि इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स टीम में से 6 लोगों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई थी। जिसमें टीम के दो खिलाड़ी मिचेल मार्श और टिम सिफर्ट थे। तो वहीं टीम के फीजियो पैट्रिक फरहार्ट की रिपोर्ट भी कोरोना पॉजिटिव आई थी। दिल्ली कैपटिल्स के सोशल मीडिया हैंडल संभालने वाले आकाश माने, मसाज करने वाले चेतन कुमार, डॉक्टर अभिजीत साल्वी की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आ चुकी है।

सीएसके ने बनाया रिकार्ड

क्रिकेट की अनूठी मिसाल बन चुके हैं मिस्टर फिनिशर, धोनी है तो मुमकिन है

मुंबई (एजेंसी)।

महेंद्र सिंह धोनी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आखिरी ओवर में मैच विजेता पारी खेलकर चेन्नई सुपरकिंग्स को आईपीएल 2022 की दूसरी जीत दिलाई। उन्होंने एक बार फिर दिखा दिया कि उनकी गिनती दुनिया के बेस्ट फिनिशरों में क्यों होती है। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तिलक वर्मा (51) की नाबाद अर्धशतकीय पारी की बदौलत 7 विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाए। लक्ष्य प्राप्ति के लिए मैदान में उतरी सीएसके एक समय पर संघर्ष करती हुई नजर आ रही थी। हालांकि

क्रीज पर धोनी खड़े थे और जब धोनी क्रीज पर हों तो असंभव कुछ भी नहीं होता। बस फिर क्या था, माही ने धुआंधार चौका मारकर अपनी टीम को तीन विकेट से शानदार जीत दिला दी। आखिरी ओवर में धोनी ने 16 रन बनाए। सीएसके की इस जीत पर देश के सोशल मीडिया मंच कू ऐप पर फैंस ने माही की इस जीत को देश की जीत मानकर खुशी व्यक्त की है। इसी बीच मौजूद भारतीय क्रिकेटर रोबिन उथप्पा ने भी अपने कू हैंडल से बड़ी ही दिलचस्प पोस्ट शेयर की है, जिसके माध्यम से वे कहते हैं कि मेरे लिए एक खास...200वीं मीठी जीत के साथ! सॉलिड चेन्नई सुपरकिंग्स! महेंद्र सिंह धोनी को स्टाइल में इसे खत्म करते हुए देखकर कभी नहीं थक सकते।

अक्षर की जगह कुलदीप को प्लेयर ऑफ द मैच मिलने पर भड़के प्रशंसक

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर कुलदीप यादव को एक बार फिर प्लेयर ऑफ द मैच मिलने पर प्रशंसक भड़क गये। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि पंजाब किंग्स के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन के लिए स्पिनर अक्षर पटेल को यह ईनाम मिलेगा। कुलदीप ने चार ओवरों में 24 विकेट रन देकर नाथन एलिस और कैगिसो रबाडा जैसे बल्लेबाजों को आउट किया जबकि अक्षर पटेल ने 10 रन देकर और ललित यादव ने 11 रन देकर दो विकेट लिए। अक्षर ने जितेश शर्मा और लियाम लिविंगस्टोन जैसे बड़े खिलाड़ियों को आउट किया था और उनका इकोनोमी औसत केवल 2.5 का रहा। ऐस में प्रशंसकों को उम्मीद थी कि अक्षर ही प्लेयर ऑफ द मैच रहेंगे पर उनकी जगह कुलदीप को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिल गया। इससे सभी हैरान हो गये। प्रशसकों ने कहा कि अक्षर को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिलना चाहिए था। कुलदीप ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, 'मैं इस अवॉर्ड को अक्षर के साथ साझा करना चाहता हूं। उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की और बीच के ओवरों में महत्वपूर्ण विकेट लिए। मुझे लगता है कि वह पुरस्कार के हकदार थे. इसलिए मैं इसे उनके साथ साझा करना चाहता हूं।'

सचिन तेंदुलकर का बड़ा बयान, कहा- टी20 प्रारूप क्रूर साबित हो सकता है

मुंबई। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर मेंटॉर के तौर पर टीम के डगआउट में मौजूद रहते हैं। सचिन ने कहा कि पांच खिताब जीतने के बाद मुंबई से उम्मीदें बहुत रहती हैं और इससे हमेशा रोहित शर्मा की टीम पर दबाव रहता है। तेंदुलकर ने बातचीत में कहा, 'चलिए पहले यह समझते हैं कि इस प्रारूप में कोई भी ऐसी टीम नहीं है जिसने इस सीजन मुंबई की तरह अनुभव नहीं किया हो। यह प्रारूप क्रूर साबित हो सकता है। अगर अहम मूमेंट आपके हक में नहीं जाते हैं तो आप दो या तीन रन या आखिरी गेंद पर मैच हार सकते हो।' सचिन ने कहा, ऐसी कम रनों की हार से बचने के लिए ही हमें इन मूमेंट को जीतना होगा, यही वह अहम लम्हें हैं जो हमें जीतने होंगे। मैं एक और प्वाइंट साफ करना चाहता हूं इस चुनौतीपूर्ण सीजन में लड़के जाते हैं और अभ्यास सत्रों में कड़ी मेहनत करते हैं। यह युवा टीम है और उन्हें व्यवस्थित होने में समय लग सकता है, लेकिन यह वह समय हैं जब आपको एक टीम की तरह से एकजुट होना होगा और निष्कर्ष निकालना होगा।'

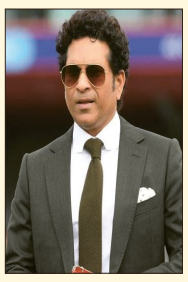

साव की वजह से दौड़कर ज्यादा रन नहीं बनाने पड़ते हैं : वार्नर

मुंबई (एजेंसी)।

अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिये मशहूर ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी डेविड वार्नर ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मौजूदा सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के उनके सलामी जोड़ीदार पृथ्वी साव की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के कारण उन्हें तेजी से दौड़कर ज्यादा रन बनाने की जरूरत नहीं पड़ रही है। वार्नर और साव की विस्फोटक सलामी जोड़ी ने बुधवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ पावरप्ले के छह ओवर में 81 रन जोड़कर टीम को शानदार शुरुआत दिलायी थी। वार्नर ने अपने नये जोड़ीदार के बारे में स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, '' मुझे यह बेहद पसंद (साव के साथ पारी का आगाज करना) आ रहा है। उनका हाथ काफी तेजी से चलता है और आंखों के साथ शानदार सामंजस्य है।'' उन्होंने कहा, '' वह लगातार चौके - छक्के लगाते रहता है जिससे तेजी से दौड़कर दो रन लेने की मेरी जरूरत कम हो गयी है। यह अच्छा है कि मुझे दौड़कर ज्यादा रन नहीं बनाने पड़ रहे हैं। वह पहली गेंद से ही हमारे लिये लय बना देता है।'' उन्होंने कहा, '' आम तौर पर ऐसा कम ही होता है कि दोनों छोर से आक्रामक बल्लेबाजी हो। यह हमारे दिमाग में है कि हम सकारात्मक और अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलें।'' दिल्ली कैपिटल्स ने इस मैच में पंजाब की टीम को 20 ओवर में 115 रन पर रोकने के बाद महज 10.3 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया था।

गौरव गिल सहित शीर्ष ड्राइवर भाग लेंगे 'साउथ इंडिया रैली' में

चेन्नई । सात बार के राष्ट्रीय चैम्पियन गौरव गिल यहां 22 से 24 अप्रैल तक होने वाली एमआरएफ 45वीं 'साउथ इंडिया रैली' में भाग लेने वाले ड्राइवरों में आकर्षण का केंद्र होंगे। इस प्रतियोगिता से नये सत्र की शुरूआत होगी। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह प्रतियोगिता साथ ही 'ब्लू बैंड स्पोर्ट्स एफएमएससीआई नेशनल रैली चैम्पियनशिप 2022' के पहले दौर के तौर पर भी काम करेगी जिसमें एक नया प्रोमोटर होगा। तीन दिन की इस रैली में 48 प्रविष्टियां आयी हैं जिसमें 2021 के ओवरआल राष्ट्रीय चैम्पियन हिमाचल के आदित्य ठाकुर (सह ड्राइवर वीरेंद्र सिंह) भी शामिल हैं। साथ ही शीर्ष ड्राइवरों में दिल्ली के गिल के अलावा बेंगलुरू के कर्णा कादुर और केरल के फाबिद अहमर भी इसमें शिरकत करेंगे।

कुलदीप के करियर को पटरी पर लाये ऋषभ : कैफ

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर और दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच रहे मोहम्मद कैफ ने कहा है कि आईपीएल के 15 वें सत्र में स्पिनर कुलदीप यादव की अच्छी गेंदबाजी के पीछे टीम के कप्तान ऋषभ पंत का समर्थन है। कैफ के अनुसार ऋषभ भी कुलदीप की तरह ही एक भावुक खिलाड़ी हैं। वो दिल से सोचते हैं और उन्हें पता है कि कैसे खिलाड़ी से उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल किया जा सकता है। मैं पिछले साल टीम के साथ था। ऋषभ ने ही पिछले साल आवेश खान के करियर को संवारा और अब वो कुलदीप के करियर को लय पर ला रहे हैं। कैफ ने कहा कि कुलदीप को इस सत्र में टीम की ओर से साफ कहा गया है कि वो विकेट लेने पर अपना पूरा जोर लगाएं और रनों के बारे में बहुत ज्यादा चिंता न करें। कैफ के अनुसार आमतौर पर कप्तान गेंदबाजों से कम रन देने को कहत हें पर ऋषभ ने कुलदीप से कहा है कि आप विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। इसलिए अगर आप 10 रन अधिक दे दें तो भी परेशानी नहीं है पर विकेट अवश्य लें।

गौरतलब है कि पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मुकाबले में भी कुलदीप ने अच्छी गेंदबाजी की और 24 रन देकर 2 विकेट लिए थे। कुलदीप इस सत्र में अपनी गेंदों में फ्लाइट देने से हिचक नहीं रहे हैं। इसी वजह से उन्हें विकेट मिल रहे हैं। इसके साथ ही कप्तान का उन्हें समर्थन भी मिला। ऋषभ हर परिस्थिति में उनका हौसला बढ़ाते दिखे हैं। आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए कुलदीप का फार्म में आना टीम इंडिया के लिए अच्छा है।

लीजेंड मुक्केबाज माइक टायसन ने फ्लाइट में सफर के दौरान यात्री को पीटा

सैन फ्रांसिस्को । अमरीका के पूर्व लीजेंड मुक्केबाज माइक टायसन ने उन्हें फ्लाइट के दौरान परेशान करने वाले और उन पर बोतल फेंकने वाले यात्री को पीट डाला। उन्होंने सैन फ्रांसिस्को से उड़ान भरने जा रहे विमान में सवार एक यात्री को कई मुक्के मारे, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल वो शख्स बार-बार टायसन से बात करने की कोशिश कर रहा था, जिससे टायसन परेशान हो गए और उन्होंने उस यात्री को मुक्के मारने शुरु कर दिए। फुटेज में टायसन को अपनी सीट के पीछे झुकते हुए और उस शख्स को मुक्के मारते हुए दिखाया गया है। बुधवार को हुई इस घटना के वीडियो में ये भी देखा जा सकता है कि टायसन ने जिस शख्स को मुक्के मारे थे उसे चोट के निशान आए हैं और खून भी बह रहा था। 'आयरन माइक' शुरू में यात्री के साथ सही थे लेकिन जब उसने बार-बार टायसन से बात करने की कोशिश की तो वो चिढ़ गए और उसे मुक्के मारने शुरु कर दिए। वीडियो में दिखाया गया है कि 55 साल के माइक टायसन आगे की सीट पर बैठे होते हैं। उनके पीछा बैठा शख्स पहले तो उनसे बात करता है। इसके बाद वो बार-बार उनके बारे में बात करते हुए दिखाई देता है। वीडियो देखकर पता लग रहा है कि वीडियो उस शख्स का दोस्त बना रहा था क्योंकि वो बार-बार टायसन की तरफ देखकर कैमरे की ओर कुछ बोल रहा था। कुछ देर बाद टायसन ने उसे शांत होने को कहा, लेकिन फिर भी वो नहीं चुप हुआ, तो टायसन को गुस्सा आ गया और उन्होंने उसे मुक्के मारना शुरु कर दिया। मीडिया के अनुसार मार खाने वाले व्यक्ति का चेहरा लहूलुहान हो गया। टायसन के प्रवक्ता ने कहा कि इस व्यक्ति ने मुक्केबाज पर एक बोतल फेंकी जब वह अपनी सीट में बैठे थे। एक साथी यात्री और घटना के गवाह ने बताया कि टायसन पहले बिलकुल भी गुस्से में नहीं दिखाई दे रहे थे। उन्होंने उस व्यक्ति के साथ सेल्फी भी ली थी लेकिन टायसन उस व्यक्ति की बार बार बात करने की कोशिशों से नाराज हो गए जिसके बाद उन्होंने उस व्यक्ति को पीट डाला।

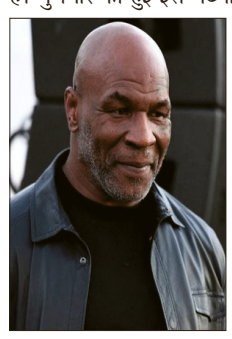

धोनी और प्रिटोरियस ने मैच छीन लिया: रोहित शर्मा

नवी मुंबई (एजेंसी)।

मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांचक मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से मिली तीन विकेट की हार के बाद कहा कि अंत में महेंद्र सिंह धोनी और (ड्वेन) प्रिटोरियस ने मैच छीन लिया।

रोहित ने मैच के बाद कहा, ''हम शुरुआती विकेट गंवाने के बावजूद अच्छा स्कोर बनाने में सफल रहे थे। हमने अच्छी चुनौती पेश की और गेंदबाजों ने हमें मैच में बनाये रखा। लेकिन हम सभी जानते हैं कि शांतचित्त एमएस धोनी क्या कर सकते हैं। अंत में धोनी और (ड्वेन) प्रिटोरियस ने मैच हमसे छीन लिया। हमने अंत में उन पर दबाव बनाये रखा था। '' धोनी (नाबाद 28 रन) ने 'फिनिशर' की अपनी भूमिका शानदार तरीके से निभाते हुए सीएसके को अंतिम गेंद में जीत दिलायी जिससे मुंबई इंडियंस को लगातार सातवीं हार का सामना करना पड़ा। रोहित ने हालांकि कहा, ''शीर्ष क्रम पर ऊंगली उठाना मुश्किल है। अगर आप दो या तीन विकेट जल्दी गंवा देते हो तो मुश्किल होगी ही। '' मुंबई इंडियंस ने तिलक वर्मा की नाबाद 51 रन की अर्धशतकीय पारी से खराब शुरुआत से उबरते हुए सात विकेट पर 155 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया था।

सीएसके के कप्तान रविंद्र जडेजा ने कहा, ''जिस तरह से मैच जा रहा था, हम काफी तनाव में थे। लेकिन हम जानते थे कि खेल का महान 'फिनिशर' खेल रहा है और अगर वह अंतिम गेंद खेला तो वह मैच खत्म करेगा ही। '' उन्होंने कहा, ''धोनी ने दुनिया को दिखा दिया कि वह अब भी मैच का 'फिनिशर' है। '' मुंबई इंडियंस के 150 रन से ज्यादा के स्कोर में सीएसके के खराब क्षेत्ररक्षण का भी योगदान रहा जिसने कई बार विपक्षी टीम के खिलाड़ियों को जीवनदान दिये और कप्तान जडेजा ही दो बार कैच लपकने में विफल रहे। जडेजा ने कहा, ''मैं कभी भी क्षेत्ररक्षण को हल्के में नहीं लेता और इस पर काम करना होगा। हमें अपने क्षेत्ररक्षण पर कुछ काम करना होगा और कैच लेने होंगे क्योंकि हम हर मैच में कैच नहीं छोड़ सकते। '' सीएसके के बायें हाथ के मध्यम गति के गेंदबाज मुकेश चौधरी ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए तीन ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट चटकाये जिसमें पहले ही ओवर में दो विकेट झटकना शामिल रहा। इससे उन्हें 'प्लेयर आफ द मैच' चुना गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

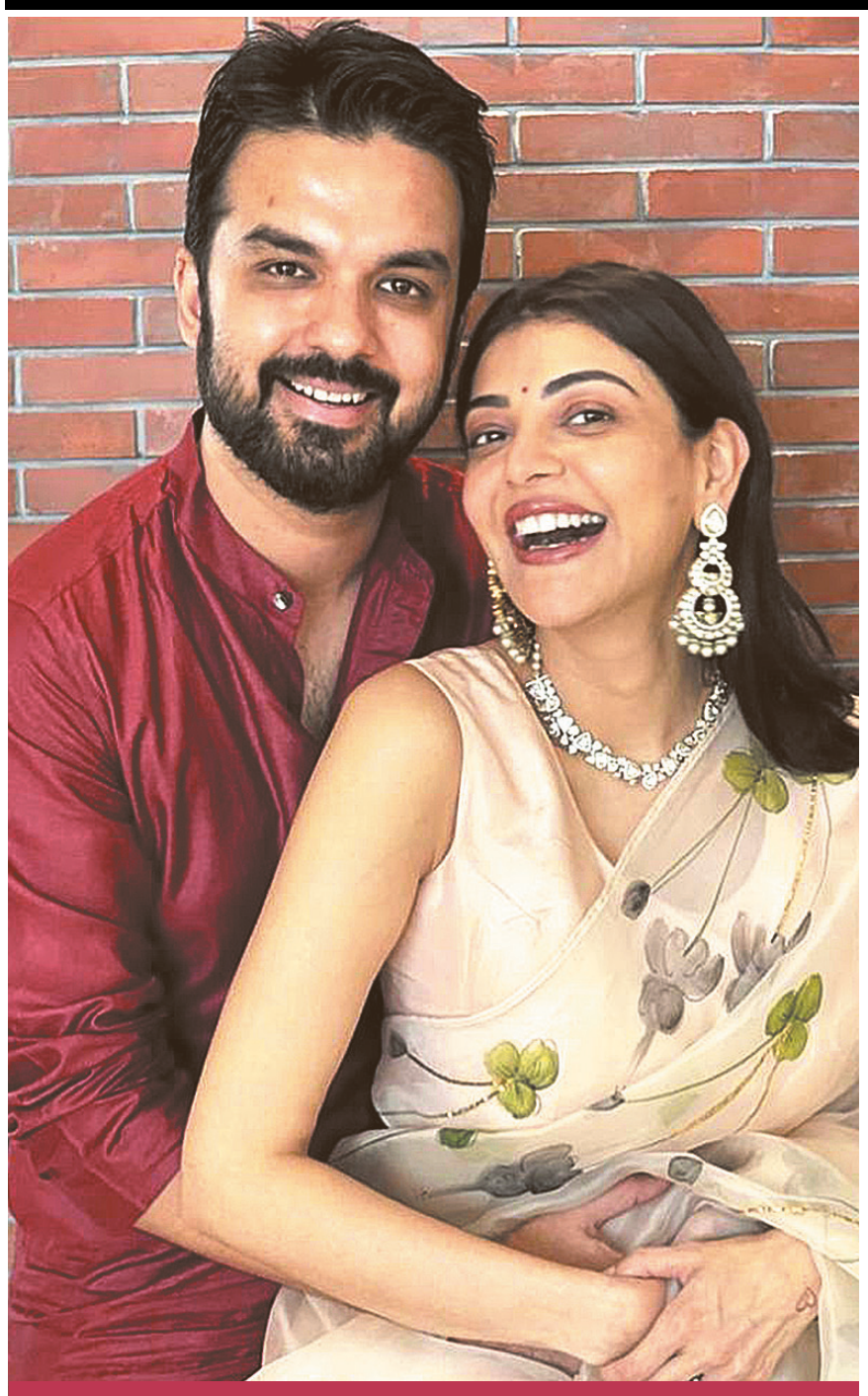

काजल , गौतम माता-पिता बने

अभिनेत्री काजल अग्रवाल और उनके पति गौतम किचलू मंगलवार सुबह एक बच्चे के माता-पिता बने। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मां और बच्चा दोनों ठीक हैं। सूत्र ने कहा, बच्चे का जन्म मंगलवार सुबह मुंबई के एक निजी अस्पताल में हुआ। मां और बच्चा दोनों ठीक हैं। काजल अग्रवाल और गौतम किचलू ने 30 अक्टूबर, 2020 को एक छोटे से निजी समारोह में शादी की थी, जिसमें केवल उनके परिवार के लोग ही शामिल हुए। एक-दूसरे के लिए ही बने लगते इस कपल ने एक्ट्रेस के करोड़ों प्रशंसकों का दिल जीत लिया है। काजल ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक लंबी पोस्ट लिखी थी, जिसमें उन्होंने अपने पति को अद्भुत व्यक्ति बताते हुए धन्यवाद दिया था।

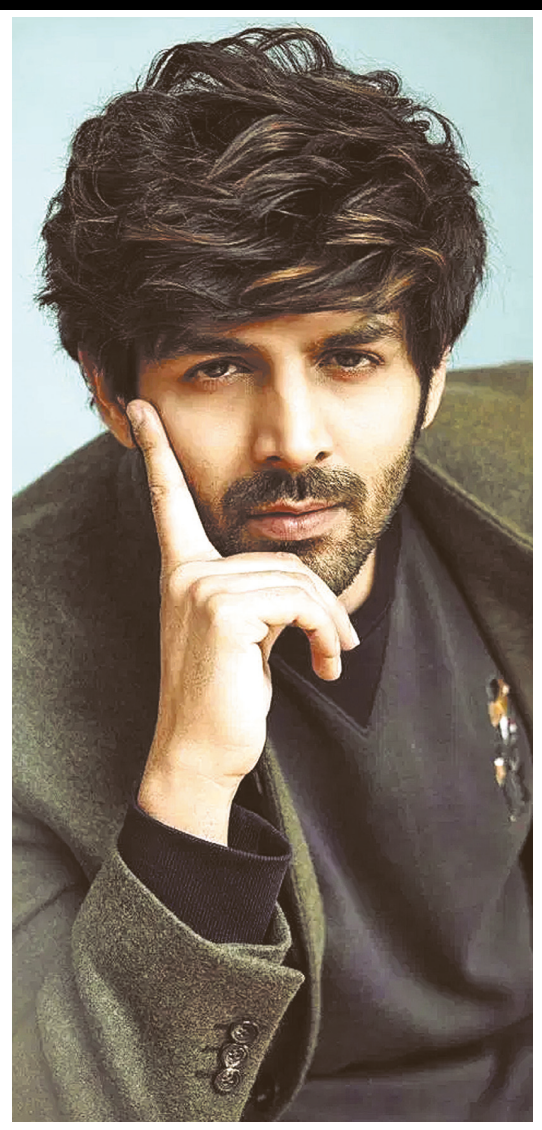

बॉलीवुड के मोस्ट एलिजिबल बैचलर बने कार्तिक आर्यन!

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट सप्ताह के टॉप समाचार में रहे हैं, हर कोई उनकी प्यारी शादी के बारे में बात कर रहा है, लेकिन कई लड़कियां टूटे दिलों के साथ बैठी हैं, रणबीर आखिरकार शादी के बंधन में बंध गए हैं। रणवीर ने 2018 में अपनी महिला प्रशंसकों के साथ भी कुछ ऐसा ही किया था, तो अब हमारे युवा सुपरस्टार के प्रशंसकों के लिए एकमात्र चमकदार और आकर्षक उम्मीद कार्तिक आर्यन है। वह अब आधिकारिक तौर पर बॉलीवुड के मोस्ट एलिजिबल बैचलर हैं क्यूँ की देश के दो अन्य लोगों ने शादी कर ली है। अपने व्यक्तित्व और हास्य की स्वाभाविकता के साथ, कार्तिक प्यार का पंचनामा से धीरे-धीरे और लगातार अपने सभी प्रशंसकों के दिलों में बस गये हैं। तब से, स्टार की हर फिल्म ने न केवल सिनेउद्योग में बल्कि युवा लड़कियों के दिलों में भी अपनी मजबूत जगह बना ली हैं। वह कुछ ही समय में अपने आकर्षण, रूप और प्रतिभा के कारण एक हाऊसहोल्ड नाम बन गया है। आज के सबसे इन डिमांड स्टार्स में से एक, रणबीर, रणवीर और कार्तिक सभी के पास अपने लाइनअप में कुछ बहुप्रतीक्षित फिल्में हैं। जहां रणबीर के पास ब्रह्मास्त्र, शमशेरा, एनिमल और लव रंजन की अगली फिल्म है, वहीं रणवीर जयेशभाई जोरदार, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी और सर्कस में नजर आएंगे। दूसरी ओर कार्तिक अगले महीने भूल भुलैया 2 की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, और साजिद नाडियाडवाला की अगली अनटाइटल्ड के साथ-साथ शहजादा, फेडी, कैप्टन इंडिया जैसी फिल्में भी लाइनअप में हैं।

मैं चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहती हूं- छाया वोरा

गंगूबाई काठियावाड़ी में आलिया भट्ट की मां का किरदार निभा चुकीं एक्ट्रेस छाया वोरा अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। छाया वोरा कहती है, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे हिंदी और गुजराती दोनों भाषाओं में कई शो और फिल्मों में काम करने का मौका मिला। एक कलाकार के तौर पर मुझे अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के अवसर प्राप्त हुए। जिसमें पॉजिटिव, ग्रे और कॉमेडी जैसे रोल शामिल हैं। जिस तरह से मेरा एक्टिंग करियर आगे बढ़ रहा है, उससे मैं खुश हूं और मेरे दर्शक मुझे स्क्रीन पर काफी पसंद कर रहे हैं। बाल वीर, शुभारंभ और संस्कार जैसे टेलीविजन शो में काम कर चुकी छाया खुद को सीमित नहीं रखना चाहती हैं। वह कहती हैं, एक अभिनेता के रूप में मैं एक्सप्लोर करना और अनुभव करना चाहती हूं। मैं बहुत खुश हूं कि गंगूबाई काठियावाड़ी के बाद, मुझे और ज्यादा बॉलीवुड प्रोजेक्ट मिल रहे हैं। लेकिन इसके साथ ही मैं टेलीविजन के लिए आशाजनक और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने के लिए तैयार हूं। मैं डिजिटल स्क्रीन पर भी आना चाहती हूं। जब तक मेरे दर्शक मुझे देखना पसंद करेंगे, मैं उनका पूरे दिल से मनोरंजन करूंगी। थिएटर हो, डिजिटल हो, टीवी हो या बॉलीवुड, मुझे हर क्षेत्र में प्यार मिल रहा है।

कलर्स के नए शो में नजर आएंगी किश्वर मर्चेंट

बिग बॉस 9 फेम और लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री किश्वर मर्चेंट रोमांटिक थ्रिलर शो फना - इश्क में मरजावां में नजर आएंगी। किश्वर कहती हैं कि मैंने अपने बेटे के साथ समय बिताने के लिए काम से एक छोटा सा ब्रेक लिया था। लेकिन अब, मैं एक बार फिर स्क्रीन पर आने के लिए तैयार हूं और मैं फना - इश्क में मरजावां का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं। अपनी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, वह आगे कहती है कि मैं अगस्त्य (जैन इमाम द्वारा अभिनीत) की सौतेली माँ के रूप में मीरा रायचंद की भूमिका निभाऊँगी। जब मुझे भूमिका की पेशकश की गई थी, तो मैं तुरंत इसके ग्रे शेड से प्रभावित हो गई थी। मुझे आशा है कि दर्शकों को शो पसंद आएगा। फना - इश्क में मरजावां में जैन इमाम, रीम समीर शेख और अक्षित सुखिजा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह कलर्स पर प्रसारित होता है।

सिद्धार्थ को लेकर रोहित शेट्टी बना रहे हैं इंडियन पुलिस फोर्स

रोहित शेट्टी को पुलिस ऑफिसर के किरदार को लेकर फिल्में बनाना पसंद हैं। सिंघम, सिंघम 2, सिम्बा और सूर्यवंशी जैसी सुपरहिट फिल्में वे बदा चुके हैं जिसके केंद्र में पुलिस ऑफिसर का किरदार था। अब वे डिजीटल डेब्यू करने जा रहे हैं और विषय इस बार भी पुलिस ही होगा। सिद्धार्थ मल्होत्रा को लेकर रोहित और अमेज़न प्राइम वीडियो ने इंडियन पुलिस फोर्स नामक वेबसीरिज अनाउंस की है। 8 एपिसोड में हाई ऑक्टेन एक्शन नजर आएगा। इस सीरिज का टीज़र जारी हो गया है। शूटिंग जारी है। जल्दी ही इसकी रिलीज डेट बताई जाएगी। रोहित के फैंस को इस सीरिज का बेसब्री से इंतजार है।

फिल्म शकुंतलम के लिए अभिनेत्री सामंथा को किया गया प्रशिक्षित

अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी आगामी फिल्म शकुंतलम की शुरुआत से कुछ महीने पहले फिल्म में शकुंतला की भूमिका निभाने के लिए ट्रेनिंग ली है। कहा जाता है कि अभिनेता गुणशेखर द्वारा फिल्म में शकुंतला की भूमिका में फिट होने के लिए उन्हें तीन महीने तक प्रशिक्षित किया गया है। गुणशेखर की फिल्म शकुंतलम का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। निर्माता साल के अंत तक फिल्म को रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। शकुंतलम को निर्देशक गुणशेखर का ड्रीम प्रोजेक्ट कहा जा रहा है, जो महाभारत में आदि पर्व से प्रेरित है और कालिदास के अभिज्ञान शकुंतलम पर आधारित है। फिल्म में, सामंथा ने शकुंतला की भूमिका निभाई है और देव मोहन ने राजा दुष्यंत की भूमिका निभाई है, जबकि अभिनेता कबीर सिंह एक असुर की भूमिका में नजर आएंगे। पुष्पा अभिनेता अल्लू अर्जुन की सबसे छोटी बेटी अल्लू अरहा शकुंतलम में राजकुमार भरत के रूप में नजर आएंगी। दूसरी ओर, सामंथा जल्द ही एक और फिल्म में नजर आएंगी, जिसका नाम यशोदा है।

अब सुनील शेट्टी के घर गूंजेंगी शहनाई!

टाउन में साल 2021 के आखिर से ही शादियों का सीजन चल रहा है। वहीं अब लगता है कि साल 2022 के में भी बॉलीवुड में शादियों का जश्न देखने को मिलेगा। कैटरीना कैफ-विक्की कौशल और आलिया भट्ट-रणबीर कपूर के बाद अब एक बार फिर बी-टाउन इंडस्ट्री में फिर शहनाई गूंजने वाली है। एक और फेमस कपल जल्द ही सात फेरे लेने वाला है। हम बात करें हैं एक्टर सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी और इंडियन क्रिकेटर केएल राहुल की। जी हां, अथिया और केएल राहुल जल्द ही अपने रिश्ते को नया नाम देने वाले हैं। कपल कब और किस रीति रिवाज में शादी करेगा इस रिपोर्ट में हम आपको इसी बारे में बताने जा रहे हैं। अथिया शेट्टी और केएल राहुल इसी साल शादी करेंगे। एक इंग्लिश रिपोर्ट के मुताबिक कपल की शादी साउथ इंडियन रीति-रिवाजों से होगी। शेट्टी फैमिली के करीबी सूत्रों से पता चला है कि शादी की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। दोनों के ही पैरेंट्स इस बात से बहुत खुश हैं।

हुमा कुरैशी अपकमिंग बायोपिक में तरला दलाल की निभाएंगी भूमिका

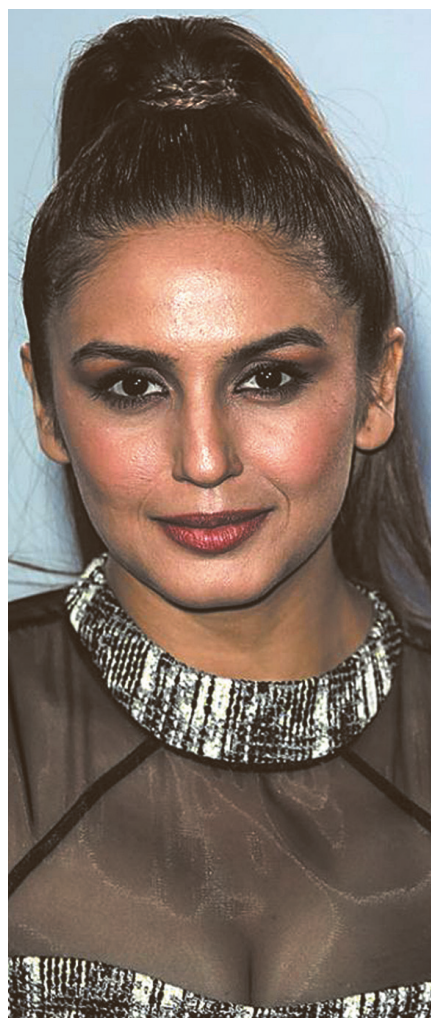

अभिनेत्री हुमा कुरैशी पीयूष गुप्ता द्वारा निर्देशित आगामी बायोपिक तरला में भारत की पहली होम शेफ तरला दलाल की भूमिका निभाएंगी। हुमा कहती हैं कि तरला दलाल मुझे अपने बचपन की याद दिलाती है। मेरी माँ के पास रसोई में उनकी किताब की एक कॉपी थी और वह अक्सर मेरे स्कूल के टिफिन के लिए उनके द्वारा बताए गए कई व्यंजनों को बनाती थीं। मुझे वह समय भी स्पष्ट रूप से याद है जब मैंने माँ को तरला दलाला की रेसपी घर का बना मैंगो आइसक्रीम बनाने में मदद की थी। इस भूमिका ने मेरी बचपन की उन मीठी यादों को ताजा कर दिया है। मैं रॉनी, अश्विनी और नितेश की बहुत आभारी हूं कि मुझ पर इस विस्मय को निभाने के लिए विश्वास किया। फिल्म का निर्माण रॉनी स्क्रूवाला, अश्विनी अय्यर तिवारी और नितेश तिवारी ने मिलकर किया है। दिवंगत शेफ तरला दलाल के जीवन पर एक फिल्म बनाने के उनके फैसले के बारे में बात करते हुए, निर्माता अश्विनी अय्यर तिवारी ने कहा कि तरला की कहानी एक प्रतिष्ठित शेफ होने की तुलना में बहुत अधिक है। यह एक कामकाजी माँ की कहानी है जिसने अकेले ही चीजें बदल दी। भारत में शाकाहारी खाना पकाने और ऐसे कई घरेलू रसोइयों और स्टार्टअप के लिए अपने सपनों को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त किया। रोनी स्क्रूवाला ने साझा किया कि तरला दलाल ने भारत में घरेलू खाना को एक नया रूप दिया। उनकी कहानी की किताब में एक अदाहरण दिया गया है कि आपनी महत्वाकांक्षाओं की दिशा में काम करने में कभी देरी नहीं करनी चाहिए। अपने अनुभव को जोड़ते हुए, नितेश तिवारी कहते हैं कि हर महाकाव्य व्यक्तित्व पर कई बायोपिक्स से भरी दुनिया में, तरला दलाल पर एक बायोपिक लंबे समय से प्रतीक्षित थी। उनकी कहानी के माध्यम से, हम ऐसे कई युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करना चाहते हैं जो अपने अपने घरों से व्यापार शुरु करना चाहते हैं। तरला दलाल एक भारतीय खाद्य लेखक, शेफ, कुकबुक लेखक और कुकिंग शो के मेजबान थे। वह पहली भारतीय थीं जिन्हें 2007 में पाक कौशल श्रेणी में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

रणवीर सिंह को आदित्य चोपड़ा ने कह दिया था तुम ऋतिक की तरह स्मार्ट नहीं

रणवीर सिंह की फिल्म जयेशभाई जोरदार का ट्रेलर कुछ दिनों पहले रिलीज हुआ है और इसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। रणवीर की एक्टिंग और फिल्म की स्टोरी की काफी तारीफ हो रही है। वैसे बता दें कि रणवीर ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं। उनकी परफॉर्मेंसेस को क्रिटिक्स और दर्शकों द्वारा हमेशा पसंद किया जाता है। रणवीर ने अब हाल ही में इंडस्ट्री के अपने शुरुआती दिनों को याद करके बताया कि उस वक्त उन्हें कहा जाता था कि हीरो बनने के लिए उनके गुड लुक्स नहीं हैं। ये बात उन्हें किसी और ने नहीं बल्कि उनकी पहली फिल्म के प्रोड्यूसर और रानी मुखर्जी के पति आदित्य चोपड़ा ने कही थी। रणवीर ने कहा, मेरी पहली फिल्म की रिलीज से पहले मैं थिएटर में गया था कोई और फिल्म देखने। वहीं थिएटर में मेरी फिल्म का पोस्टर लगा था और 2 लोग डिस्कस कर रहे थे पोस्टर को लेकर। उन्होंने कहा था कौन है ये और ये हीरो की तरह स्मार्ट नहीं है। मैंने उनकी ये बात सुन ली थी। सिर्फ इतना ही नहीं फिल्ममेकर आदित्य चोपड़ा ने उनके साथ मेरी दूसरी मीटिंग में कहा था कि तुम ऋतिक रोशन जैसे स्मार्ट नहीं हो तो तुम्हें अपनी एक्टिंग पर फोकस करना होगा। मैंने उन्हें कहा था ठीक है सर, मैं अपना बेस्ट दूंगा। बता दें कि रणवीर की पहली फिल्म बैंड बाजा बारात थी जिसमें वह अनुष्का शर्मा के साथ नजर आए थे। ये फिल्म सुपरहिट थी। पहली ही फिल्म से रणवीर ने सभी का दिल जीत लिया था। इसके बाद उन्होंने शानदार फिल्में दी हैं।

सार समाचार

दो बार केन्या के राष्ट्रपति रह चुके म्वॉई किबाकी का 90 वर्ष की आयु में निधन

नैरोबी। केन्या के पूर्व राष्ट्रपति म्वॉई किबाकी का 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। राष्ट्रपति उहुरु केन्याटा ने शुक्रवार को किबाकी के निधन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनका निधन देश के लिये दुखद है। केन्याटा ने उन्हें महान केन्याई बताया। केन्याटा ने कहा, म्वॉई किबाकी को केन्या की राजनीति में सदैव एक सज्जन के रूप में याद किया जाएगा। वह एक शानदार वक्ता थे, जिन्होंने देश में विकास को गति दी। किबाकी दो बार केन्या के राष्ट्रपति बने। वह 2002 से 2013 तक देश के राष्ट्रपति रहे।

रूस के साथ आर्थिक संबंध स्थिर रखने की कोशिश: विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली। भारत ने बृहस्पतिवार को दोहराया कि वह रूस के साथ अपने आर्थिक संबंधों को स्थिर रखने की कोशिश कर रहा है। भारत ने साथ ही कहा कि वह रूस से 'बहुत कम' कच्चा तेल खरीदता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यह बात उन खबरों के बीच कही कि भारत रूस से और कच्चा तेल खरीद रहा है। बागची ने कहा कि रूस पर भारत का रुख, 'स्पष्ट और दृढ़' है। उन्होंने कहा, 'हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि हम अपने आर्थिक संबंध कैसे स्थिर रखें....हम रूस से बहुत कम कच्चा तेल खरीदते हैं। यह सरकार से सरकार आधार पर नहीं किया जाता।' बागची ने यह भी कहा कि उन्हें इस संबंध में जानकारी नहीं है कि भारत की रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ी है अथवा नहीं। उन्होंने कहा कि इस मामले में अमेरिका के साथ भारत की अच्छी बातचीत हुई है।

बच्चों से संबंधित विकास लक्ष्यों के लिये नीति आयोग, यूनिसेफ ने मिलाया हाथ

नयी दिल्ली। सरकारी विचारक संस्था नीति आयोग और यूनिसेफ-इंडिया ने देश में बच्चों से संबंधित संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में काम करने के लिए बृहस्पतिवार को हाथ मिलाया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, नीति आयोग और यूनिसेफ-इंडिया ने बच्चों पर ध्यान देने के साथ सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर एक आशय वक्तव्य (एसओआई) पर हस्ताक्षर किए। नीति आयोग की नोडल अधिकारी-एसडीजी संयुक्ता समद्दर और यूनिसेफ-इंडिया के प्रमुख सामाजिक नीति ह्यून ही बान ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार की उपस्थिति में एसओआई पर हस्ताक्षर किए। बयान में कहा गया है कि एसडीजी के तहत बाल विकास प्राथमिकताओं को प्राप्त करने के लिए यूनिसेफ-इंडिया और नीति आयोग स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, पानी और स्वच्छता व घरेलू जीवन स्तर में बच्चों के बीच बहुआयामी उपलब्धियों और अभावों को समझने के लिए एक व्यापक उपाय विकसित कर रहे हैं। कुमार ने कहा कि यह बाल केंद्रित एसडीजी पहल 'एसडीजी इंडिया इंडेक्स और डैशबोर्ड' के माध्यम से प्रगति की निगरानी के भारत के प्रयास पर आधारित है जो नीतिगत कार्रवाई को गति देने के लिए एक अद्वितीय डेटा-संचालित पहल है। उन्होंने कहा कि यूनिसेफ के साथ यह नई पहल बच्चों के लिए एसडीजी प्राप्तियों के लोकाचार पर बनी है और यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी बच्चा पीछे न रहे।

चीन में कूड़े के बड़े-बड़े थैलों में जिंदा कुत्ते और बिल्लियां को भरा गया

बीजिंग (ईएमएस)। चीन के शंघाई में कोरोना से 11 और मरीजों की मौत के बाद बढ़ते जन आक्रोश की खबरों के बीच लॉकडाउन 26 अप्रैल तक बढ़ाया गया है। खबरों के अनुसार, 2.6 करोड़ की आबादी वाले शंघाई में कोरोना की मौजूदा लहर के दौरान मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 36 हो गई है।

इसी बीच चीन से भयानक वीडियो सामने आया है। इसमें वीडियो में कचरे के बैग में कुत्ते और बिल्लियां को भरा गया है। जो हिलते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में सड़क के किनारे कूड़े के बड़े-बड़े थैले रखे गए हैं, इसमें जीवित बिल्लियां भरी पड़ी हैं। वीडियो को ट्विटर पर अपलोड कर लिखा है, कि शंघाई में 26 मिलियन लोग लॉकडाउन में हैं। शंघाई में लोग अपनी बालकनियों से आत्महत्या कर रहे हैं। वहीं, जो लोग कोविड संक्रमित हैं, उनके पालतू जानवरों को जिंदा मारा जा रहा है। शुक्रवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, शहर में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 17,629 नए मामले आए जो एक दिन पहले आए मामलों से 4.7 फीसदी कम है। एक मार्च के बाद से शहर में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 4,43,500 हो गई है। खबर के मुताबिक, देशभर में कोविड-19 के 30,813 मरीजों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। शंघाई में कोरोना से 11 मरीजों की मौत हुई थी। इस बीच, शंघाई ने लॉकडाउन की अवधि 26 अप्रैल तक बढ़ा दी है। शहर में लॉकडाउन लगे चौथा हफ्ता चल रहा है।

दुनिया में कोरोना संक्रमण के नए मामलों में आई गिरावट : डब्ल्यूएचओ

बर्लिन । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की साप्ताहिक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में कोविड-19 के नए मामलों में पिछले सप्ताह लगभग एक चौथाई की कमी दर्ज की गई है। मार्च के अंत से कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार गिरावट जारी है। जेनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने अपनी साप्ताहिक रिपोर्ट में बताया कि 11 से 17 अप्रैल के बीच करीब 55.9 लाख मामले सामने आए, जो पिछले सप्ताह की तुलना में 24 प्रतिशत कम हैं।

मौत के 18,215 मामले सामने आए, जिनमें भी 21 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि हर क्षेत्र में नए मामलों में गिरावट आई है, हालांकि अमेरिका में केवल दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

रिपोर्ट बुधवार देर रात की थी, जो गुरुवार को पत्रकारों को भेजी गई। एजेंसी ने कहा इन बदलावों पर सोच-समझकर विचार करना चाहिए, क्योंकि कई देश कोविड-19 जांच से जुड़ी अपनी रणनीतियों में बदलाव कर रहे हैं और इसके परिणामस्वरूप जांच कम होने की वजह से संक्रमण के मामले भी कम सामने आ रहे हैं। डब्ल्यूएचओ ने बताया कि पिछले सप्ताह दक्षिण कोरिया में सर्वाधिक 9,72,000 से अधिक मामले सामने आए। इसके बाद, फ्रांस में 8,27,000 से अधिक और जर्मनी 7,69,000 से अधिक मामले सामने आए। संक्रमण से मौत के सर्वाधिक 3,076 मामले अमेरिका में सामने आए। इसके बाद, रूस में 1,784 और दक्षिण कोरिया में मौत के 1,671 मामले सामने आए। रिपोर्ट के अनुसार, कुल मिलाकर अब तक कोविड-19 के 50.2 करोड़ से अधिक मामले सामने आए हैं और संक्रमण से करीब 62 लाख लोगों की मौत हुई है।

जकार्ता में एक कार्यकर्ता हाथ में बैनर लेकर सरकार से अर्थ डे मनाने की मांग करते हुए।

भारत को दृढ़ता से स्पष्ट करना चाहिए कि यूक्रेन पर रूस के हमले पूरी तरह गलत: हिलेरी क्लिंटन

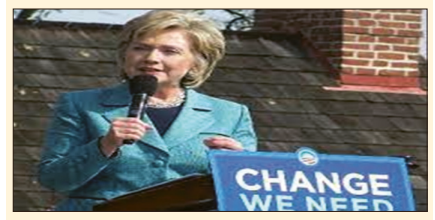

मुंबई। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने बृहस्पतिवार को कहा कि रूस से भारत का ऊर्जा आयात बहुत कम है और यह रेखांकित करना महत्वपूर्ण होगा कि एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में भारत को अपने हितों के हिसाब से फैसले लेने होंगे। उन्होंने कहा कि लेकिन भारत को यह बात दृढ़ता से स्पष्ट करनी चाहिए कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के हमले पूरी तरह गलत हैं। चीन के साथ सीमा पर भारत के गतिरोध को 'बहुत परेशानी वाला' करार देते हुए उन्होंने कहा कि इस विषय पर और अधिक ध्यान देना होगा तथा भारत अपनी रक्षा के लिए जो भी करता है, अमेरिका उसका समर्थन करता है। हिलेरी ने इंडिया इकोनॉमिक कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए यह बात कही।

अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण कर पुतिन ने कहा, दुश्मन को दो बार सोचना होगा

मास्को (ईएमएस)। (एजेंसी)

यूक्रेन के साथ चल रही जंग के बीच रूस ने नाटो और खासकर अमेरिका को अपनी ताकत दिखाई है। रुस-यूक्रेन जंग के बीच रूस ने ऐसा महाविनाश हथियार तैयार किया है, जो रूस के दुश्मन को पलक झपकते ही तबाह कर देगा। एक ऐसा मिसाइल जो दुनिया के किसी भी हिस्से में तबाही का मंजर ला सकता है। रूस के इस महाविनाश हथियार का नाम सरमत है। रूस ने न केवल मिसाइल का सफल परीक्षण किया बल्कि पुतिन ने परीक्षण के बाद दुश्मनों को धमकी भी दी। रूस ने सरमत अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। माना जा रहा है, कि मिसाइल दुनिया में सबसे ज्यादा खतरनाक है। हालांकि अमेरिका ने रूसी मिसाइल टेस्ट को रूटीन बताकर कहा कि यह खतरा नहीं है। लेकिन पुतिन ने साफ-साफ चेतावनी देकर कहा कि अब दुश्मनों को दो बार सोचना होगा।

दुनिया के किसी भी टारगेट को हिट कर सकती है। मिसाइल में दुनिया के किसी भी शहर का नामोनिशान मिटाने की ताकत है। इस मिसाइल की रेंज 18000 किलोमीटर है,

ये आईसीबीएम अपने साथ 10,000 से ज्यादा न्यूक्लियर वारहेड लेकर जा सकती है। यह न्यूक्लियर वारहेड्स 10 जगह पर गिराए जा सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार मिसाइल को बनाने की शुरूआत साल 2000 में ही शुरू कर दी गई थी। इस मिसाइल को खास इस तरह से डिजाइन किया गया है कि ये एंटी मिसाइल डिफेंस सिस्टम को भी धोखा दे सकता है। मिसाइल के सफल परीक्षण के बाद राष्ट्रपति पुतिन ने मिसाइल की ताकत से दुनिया को रूबरू करवाते हुए कहा कि सरमत का वजन 2 हजार टन से ज्यादा है, ये दुनिया के किसी भी कोने में हमला करने में सक्षम है। इसके साथ ही पुतिन ने कहा कि सरमत से रूसी आर्म्ड फोर्स को ताकत मिलेगी। ये रूस को बाहरी खरतों से बचाएगा और हमारे देश को धमकी देने वाले लोगों को दो बार सोचने पर मजबूर कर देगा।

बाइडन ने यूक्रेन के लिए 80 करोड़ डॉलर की नयी सैन्य सहायता की घोषणा की

कोलंबो। (एजेंसी)

वाशिंगटने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बृहस्पतिवार को रूस से रक्षा के लिए यूक्रेन को 80 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त सैन्य सहायता देने की घोषणा की। बाइडन ने साथ ही कहा कि कांग्रेस को अतिरिक्त सहायता को भी मंजूरी देनी होगी। नए सैन्य सहायता पैकेज में अत्यावश्यक भारी हथियार, 1,44,000 कारतूस और ड्रोन शामिल हैं, ताकि यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र के लिए बढ़ती लड़ाई में यूक्रेनी सेना क्षेत्र की रक्षा कर सके। यह यूक्रेन के लिए पहले स्वीकृत की गई करीब 2.6 अरब डॉलर की सैन्य सहायता का विस्तार है। बाइडन ने कहा, 'हम इन्हें सीधे अग्रिम स्वतंत्रता मोर्चे तक भेजेंगे।' उन्होंने कहा, 'रूसी राष्ट्रपति दावा कर रहे हैं कि पश्चिमी एकता में दरार पड़ जाएगी.....और एक बार फिर हम उन्हें गलत साबित करने जा रहे हैं।' बाइडन ने अमेरिका और पश्चिमी सहयोगियों को यूक्रेन के लिए अपने समर्थन में दृढ़ रहने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि रूस से संबद्ध सभी जहाजों को अमेरिकी बंदरगाहों पर आने से रोका जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका यूक्रेनी सरकार को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता के तौर पर 50 करोड़ डॉलर अतिरिक्त प्रदान करेगा। इसके साथ ही यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से अमेरिका की कुल सहयोग राशि एक अरब डॉलर पर पहुंच गयी है। कांग्रेस ने इस बात के संकेत दिए हैं कि आगे के अनुरोध पर उसे कोई आपत्ति नहीं होगी बल्कि उसे अनुमान था कि यूक्रेन के लिए और मदद की जरूरत होगी।

संविधान संशोधन से श्रीलंका का संकट खत्म नहीं होगा, राजनीतिक संस्कृति में बदलाव जरूरी

कोलंबो (एजेंसी)

श्रीलंका के पूर्व सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सरथ फोंसेका ने कहा है कि कर्ज में डूबे देश में मौजूदा संकट को खत्म करने के लिए संविधान संशोधन लाना और राष्ट्रपति शासन प्रणाली समाप्त करना काफी नहीं है। उन्होंने देश में राजनीतिक संस्कृति में बदलाव की आवश्यकता को रेखांकित किया। श्रीलंका की प्रमुख विपक्षी पार्टी, समाजी जन बालवेगया (एसजेबी) ने बृहस्पतिवार को एक संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश किया, जिसमें देश में 1978 से चली आ रही राष्ट्रपति शासन प्रणाली को खत्म करने तथा इसके स्थान पर संवैधानिक लोकतंत्र को मजबूत करने वाली प्रणाली स्थापित करने सहित कई प्रस्ताव रखे गए हैं।

एसजेबी के सांसद फोंसेका ने बृहस्पतिवार को संसद में कहा, यदि किसी स्कूल में कोई प्रिंसिपल किसी बच्चे को परेशान करने वाला काम करता है तो आपको प्रिंसिपल का पद खत्म नहीं करना चाहिये, बल्कि उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिये।

एसजेबी ने यह कदम देश के सबसे खराब आर्थिक संकट को लेकर राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और उनकी पार्टी श्रीलंका पोदुजाना (पेरामुना) के नेतृत्व वाली सरकार के इस्तीफे की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में उठाया है। द डेली मिरर की खबर के अनुसार फोंसेका ने संसद में कहा, मुझे नहीं लगता कि संविधान संशोधन से श्रीलंका को कुछ मदद मिलेगी। हमें राजनीतिक संस्कृति में बदलाव की जरूरत है। फिलहाल संविधान संशोधन और अंतरिम सरकार के गठन से श्रीलंका को कोई मदद नहीं मिलने वाली।

कुर्सी पर बैठते ही शहबाज का गेम ऑन, भाई के करीबियों को किनारे लगाना शुरू किया, लंदन में नवाज शरीफ से मिले बिलावल

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान में शहबाज शरीफ के पीएम बनते ही तेवर बदलने शुरू हो गए है। वह भी ऐसे कि उन्होंने अपने भाई के साथ ही दगाबाजी करना शुरू कर दिया है। लंबे इंतजार के बाद सत्ता में आए शहबाज शरीफ ने अपनी 33 सदस्य कैबिनेट में भाई नवाज शरीफ के करीबी पीएमएलएन नेताओं को किनारे लगा दिया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक शहबाज के कैबिनेट में मंत्रियों के चयन और उनके विभागों के बंटवारे पर पार्टी आपस में ही दो हिस्सों में बंट गई है। आपको बता दें कि शहबाज शरीफ के पीएम बनने के पीछे सबसे बड़ा हाथ उनके भाई नवाज शरीफ का ही बताया जा रहा है। नवाज शरीफ ने लंदन में बैठे-बैठे विपक्ष को एकजुट किया और इमरान खान का पत्ता साफ करवा दिया। जिसके बाद ही शहबाज को पाकिस्तान की कमान मिली। लेकिन शहबाज ने प्रधानमंत्री बनते ही अपने बड़े भाई के साथ ही दगा कर दिया।

मरियम नाराज

शहबाज शरीफ ने नवाज शरीफ कैंप के केवल एक सदस?य जावेद लतीफ को कैबिनेट में जगह दी है। जावेद ने मंगलवार को शपथ ग्रहण में हिस्सा भी नहीं लिया।

शहबाज के इस कदम पर उनकी भतीजी मरियम नवाज काफी नाराज बताई जा रही हैं। मरियम ने अपनी नाराजगी को भी जाहिर कर दिया है। इरफान सिद्दीकी, परवेज राशिद, मुहम्मद जुबैर, दानियाल अजीज, मुसद्दीक मलिक, तलाल चौधरी, बिरजीस ताहिर, तारिक फातेमी और जफरुल्ला खान जैसे नवाज के करीबी सहयोगियों को मंत्रिमंडल में कोई जगह नहीं दी गई है।

बिलावल ने लंदन में नवाज शरीफ के की मुलाकात

शहबाज शरीफ के कैबिनेट गठन को लेकर सबसे बड़ी सहयोगी भी नाराज दिखाई दे रही है। बिलावल भुट्टो ने कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा नहीं लिया। कहा जा रहा है कि बिलावल लंदन गए हैं और आज उनकी लंदन में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सुप्रीमो नवाज शरीफ से मुलाकात भी हुई है। कहा जा रहा है कि कैबिनेट के गठन को लेकर अपनी आपत्ति जाहिर करेंगे। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार पीपीपी की नजर राष्ट्रपति के पद और पंजाब के राज्यपाल के पद पर है।

प्रदूषण फैलाने वाली 71 फीसदी कंपनियां हरित लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रति आश्वस्त: सर्वे

मुंबई (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र के पिछले जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में सरकार द्वारा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की प्रतिबद्धता जाहिर करने और इसे लेकर निवेशकों के जोर देने के बीच दस घरेलू कंपनियों में से लगभग सात कंपनियां जिनमें से ज्यादातर प्रदूषण फैलाने वाली हैं, उत्सर्जन में कमी लाने के अपने लक्ष्यों को पूरा करने के प्रति आश्वस्त हैं। एक सर्वे में यह कहा गया।

पिछले साल नवंबर में स्कॉटलैंड के शहर ग्लासगो में आयोजित 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी26) में सरकार ने संगठनों को उत्सर्जन को कम करने के लिए प्रेरित करने और हरित लक्ष्यों को प्राप्त करने का संकल्प लिया था।

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप ने पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) पर जारी एक रिपोर्ट में कहा कि उसके सर्वेक्षण में 143 सीएक्सओ से फीडबैक सहित दस क्षेत्रों -- ऑटो, सीमेंट, उपभोक्ता वस्तुओं, वित्तीय सेवाएं, तेल और गैस, विनिर्माण, धातु, बिजली और उपयोगिताओं, पेशेवर सेवाओं और प्रौद्योगिकी को शामिल किया गया है। सर्वेक्षण से पता चला कि उनमें से 71 प्रतिशत अपने हरित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आश्वस्त हैं। बीसीजी इंडिया के प्रबंध निदेशक और साझेदार अनिर्बान मुखर्जी ने ह्यपीटीआई-भाषाह्न को बताया, ह्यह्यजब स्थिरता लक्ष्यों को लागू करने और प्राप्त करने की बात आती है, तो बड़ी संख्या में कंपनियों ने कहा वे ईएसजी डेटा से संबंधित मुद्दों जैसे रीयल-टाइम डेटा एकीकरण, मानक नियमों की कमी जैसी नियामक चुनौतियों और प्रौद्योगिकियों की उच्च लागत तथा प्रतिस्पर्धी लागत के निर्माण जैसी वित्तीय चुनौतियों को पूरा करने में प्रौद्योगिकी के रूप में कठिन चुनौतियों का सामना करती हैं।ह्लह्ल

सर्वेक्षण के अनुसार, 71 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कम कार्बन आधारित प्रौद्योगिकियों के लिए प्रोत्साहन और कार्बन-मूल्य निर्धारण तंत्र जैसे पहलुओं के साथ एक उत्साहजनक नियामक ढांचे के साथ सीओपी26 के लक्ष्यों को प्राप्त करने का विश्वास जताया है। सीमेंट, धातु, और बिजली तथा उपयोगिता उद्योगों के अधिकांश उत्तरदाता स्थिरता लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अत्यधिक आश्वस्त हैं। मुखर्जी ने सर्वेक्षण के निष्कर्षों का हवाला देते हुए कहा कि लगभग 51 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्थिरता पहलों में निवेश करने के लिए अपने शीर्ष कारणों में हितधारकों के दबाव को स्थान दिया है।

एक स्थायी जीवन शैली की ओर अग्रसर होने की बढ़ती प्रवृत्ति भी सभी व्यवसायों के लिए अवसरों का विस्तार कर रही है और 55 प्रतिशत प्रतिभागियों ने सुझाव दिया है कि उनके ग्राहक स्थायी विकल्पों के लिए प्रीमियम का भुगतान करने को तैयार हैं।

मुखर्जी के अनुसार, व्यवसायों को अपने संचालन और उत्पादन प्रक्रियाओं को मानक स्थिरता मानदंडों और तौर-तरीकों के साथ संरेखित करने की आवश्यकता है और वे प्राथमिकता के आधार पर अपने स्थिरता लक्ष्यों को निर्धारित करके इस प्रक्रिया को शुरू कर सकते हैं।

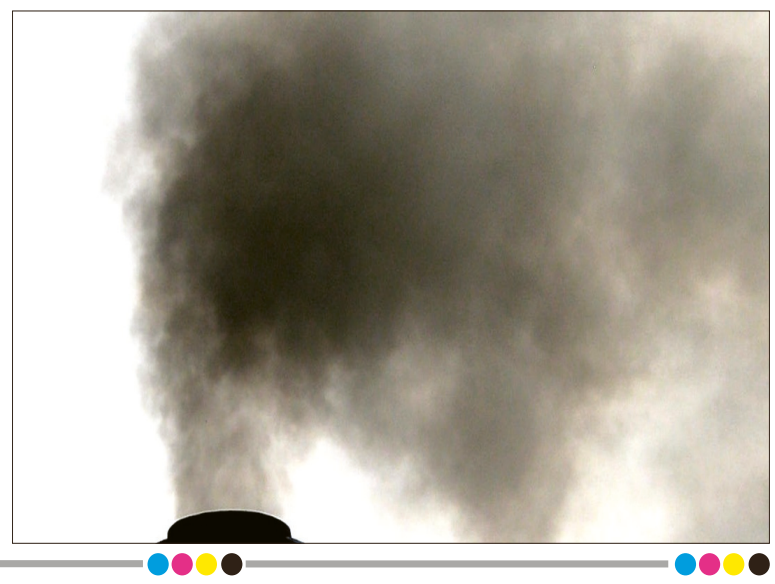

सार समाचार

जम्मू में सीआईएसएफ के काफिले पर आतंकी हमला, दो आत्मघाती हमलावर ढेर

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले फिदायीन हमला करने की आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) की कोशिश शुक्रवार को नाकाम कर दी गयी और सुरक्षाकर्मियों ने मुठभेड़ में दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया। मुठभेड़ में सीआईएसएफ का एक अधिकारी भी शहीद हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जम्मू के बाहरी इलाकेसुंजवां में सेना के शिविर के पास तड़के हुई मुठभेड़ में नौ सुरक्षाकर्मी भी घायल हो गए। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने मुठभेड़ स्थल का दौरा करने के बाद कहा कि दोनों आतंकवादी पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के आत्मघाती दस्ते का हिस्सा थे और उनकी घुसपैठ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जम्मू कश्मीर यात्रा को बाधित करने की एक बड़ी साजिश हो सकती है। शुरूआती जांच के अनुसार, दो आतंकवादी सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा से घुसपैठ करने के बाद बृहस्पतिवार को जम्मू शहर के बाहरी इलाके में घुसे और वे सेना के शिविर के समीप एक इलाके में थे। डीजीपी ने मुठभेड़ स्थल के पास संवाददाताओं से कहा, कल रात, पुलिस और अन्य बल एक अभियान में शामिल थे, जो पूरा हो गया... रिपोर्टों के अनुसार, दोनों आतंकवादी जेईएम के आत्मघाती दस्ते का हिस्सा थे, जिन्हें पाकिस्तान से भेजा गया था और सुरक्षा बलों के एक शिविर को निशाना बनाने ... ताकि कई लोग हताहत हो सकें।' दोनों आतंकवादी आत्मघाती जैकेट पहने हुए थे और भारी मात्रा में हथियारों और गोला-बारूद से लैस थे। सिंह ने कहा, यह मुठभेड़ प्रधानमंत्री की यात्रा से दो दिन पहले हुई। यह जम्मू के शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है और यह यात्रा को बाधित करने की एक बड़ी साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा, 'अच्छा हुआ कि हमें समय से जानकारी मिल गई और अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अधिकारियों ने बताया कि अभियान शुक्रवार तड़के करीब चार बजकर 25 मिनट पर शुरू हुआ जब सुंजवां सैन्य शिविर की ओर जा रहे दो आतंकवादियों को सुरक्षाकर्मियों ने देखा। इसी दौरान सीआईएसएफ की एक बस 15 जवानों को लेकर जम्मू हवाई अड्डे की ओर जा रही थी।

महाराष्ट्र सरकार करेगी डिजिटल कक्षा की शुरूआत, विदेशों में लोगों को सिखाई जाएगी मराठी भाषा

औरंगाबाद (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के मंत्री सुभाष देसाई ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार विदेशों में रहने वाले लोगों को मराठी सिखाने के लिए डिजिटल कक्षाओं की शुरूआत करेगी। प्रदेश के उद्योग एवं मराठी राज्य मंत्री ने उदगीर में आयोजित 95वीं मराठी साहित्य सभा के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। इस मौके पर देसाई ने मराठी विभाग की विभिन्न पहलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, पहले, दुकानों के साइनबोर्ड मराठी में लगाने का कानून था। लेकिन छोटे प्रतिष्ठानों को नियम से छूट दी गई थी, और उसमें भी सुधार कर दिया गया था। मंत्री ने कहा कि मराठी को शास्त्रीय का दर्जा दिए जाने के संबंध में केंद्र को एक प्रस्ताव भेजा गया है और जवाब की प्रतीक्षा है। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न बोलियों और मराठी साहित्य का अध्ययन करने के लिए हर जिले में मराठी भवन की स्थापना करेगी।

गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका के 18 नागरिक पहुंचे भारत, शरणार्थी शिविर में दी गई जगह

रामेश्वरम (तमिलनाडु)। गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका के 18 और नागरिक शुक्रवार को भारत पहुंचे। जिले के धनुषकोडी में तड़के पहुंचने वाले इन असहाय परिवारों को मंडपम शरणार्थी शिविर में ठहराया गया है। भारत पहुंचे श्रीलंका के नागरिक देश की अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने वाले गंभीर संकट को लेकर निराश दिखे और उन्होंने बताया कि वह वहां मिल्क पाउडर भी वहन नहीं कर पा रहे थे। साथ ही उन्होंने सरकार पर नागरिकों को लेकर उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाया। इन 18 लोगों में बच्चे भी शामिल थे। यह लोग दो जत्थों में दो नावों के जरिए भारत आए। इसके बाद इन लोगों को अरिचलमुनई ले जाया गया। देश छोड़ने वाले श्रीलंकाई लोगों के नवीनतम जत्थे में शामिल दो महिलाओं ने कहा कि उन्होंने भारत आने के दौरान रास्ते में बारिश का भी सामना किया। गौरतलब है कि श्रीलंका 1948 में ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद से अब तक के इतिहास में, अभूतपूर्व आर्थिक और ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। देश में ईंधन की कीमतें आसमान छू रहीं हैं। श्रीलंका में लोग राष्ट्रपति गोटाबया राजपक्षे और उनकी पार्टी श्रीलंका पोदुजाना (पेरामुना) के नेतृत्व वाली सरकार के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

लाउडस्पीकर विवाद पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा: सभी को कानून का पालन करना चाहिये

कलबुर्गी (कर्नाटक)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को कहा कि सरकार मस्जिदों में लाउडस्पीकरों के इस्तेमाल को विनियमित करने के अदालतों के आदेशों को लागू करेगीऔर सभी को कानून का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस पहले ही इस संबंध में परिपत्र जारी कर चुकी है और थाना स्तर पर बैठकें की जाएंगी। बोम्मई ने कहा, अजान के संबंध में, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के आदेश हैं, हमने पहले ही इस आशय के परिपत्र जारी किए हैं। इस बारे में कानून हैं कि कितनी डेसिबल (ध्वनि) होनी चाहिए। डीजी (पुलिस महानिदेशक) पहले ही एक परिपत्र जारी कर चुके हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पुलिस थाना स्तर पर बैठकें आयोजित करने और सौहार्दपूर्ण माहौल में मामले को सुलझाने के निर्देश दिए गए हैं और यह प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा, हर किसी को कानून का पालन करना चाहिए... कुछ हिंदू संगठन मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकरों को हटाने और ध्वनि प्रदूषण को लेकर उच्चतम न्यायालय का आदेश लागू करने की मांग कर रहे हैं। इन संगठनों ने मस्जिदों से लाउडस्पीकर नहीं हटाए जाने पर रोज सुबह भजन बजाने की धमकी भी दी है। इस बीच, मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र में भाजपा एकजुट है और कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा, कुछ मुद्दों को चर्चा के माध्यम से हल किया गया है। मुझे विश्वास है कि पार्टी इस क्षेत्र सेपिछली बार की तुलना में अधिक सीटें जीतेगी।

ब्रिटिश पीएम जॉनसन ने राजघाट पर महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (ईएमएस)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का भारत यात्रा के दूसरे दिन शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका स्वागत किया। बोरिस जॉनसन को यहां गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान बोरिस जानसन ने कहा कि उन्होंने इस तरह का भव्य व परंपरागत स्वागत पहले कभी नहीं देखा। उन्होंने बेहतरीन स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने अन्य मंत्रियों और अधिकारियों से भी मुलाकात की।

जहांगीरपुरी में लगा राजनीतिक जमघट, चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)

राजधानी के जहांगीरपुरी इलाके में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर निकाली गई धार्मिक शोभा यात्रा के दौरान भड़की हिंसा को लेकर सियासत गर्म है। विपक्ष लगातार भाजपा पर हमलावर है। इन सबके बीच जहांगीरपुरी अब राजनीतिक पर्यटन केंद्र के रूप में तब्दील होता दिखाई दे रहा है। दरअसल, कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल पहले ही वहां पहुंचने की कोशिश कर चुका है जबकि आज समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस का भी एक प्रतिनिधिमंडल भी जहांगीरपुरी पहुंचने वाला है। वर्तमान में देखे तो इलाके में माहौल तनावपूर्ण है, क्योंकि आमतौर पर चहल-पहल रहने वाले कुशल चौक पर सन्नाटा पसरा रहा और दुकानें बंद रहीं। सी-ब्लॉक में आवाजाही को सुरक्षा कर्मियों द्वारा नियंत्रित किया गया है, और वहां बड़े पैमाने पर अवरोधक लगाये गये हैं। सख्त निगरानी के लिए दिल्ली पुलिस ने इलाके में कई जहहों पर सीसीटीवी कैमरों को इंस्टॉल किया है। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों, केंद्रीय बलों और रैपिड एक्शन फोर्स को हिंसा प्रभावित इलाके में पहरेदारी करते देखा गया।

अतिक्रमण रोधी अभियान के विरोध में समाजवादी पार्टी (सपा) का एक जांच दल जहांगीरपुरी जाएगा। संभल से सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क की अगुवाई वाले इस दल में मुरादाबाद से सांसद एसटी हसन, राज्यसभा सदस्य विशंभर प्रसाद निषाद, पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा तथा जावेद अली खान शामिल होंगे। सपा ने आरोप लगाया कि पिछली 20 अप्रैल को भाजपा शासित दिल्ली नगर निगम द्वारा बुल्डोजर चलाकर जहांगीरपुरी बस्ती को उजाड़ दिया गया है। सपा का यह दल इस मामले की जांच करेगा। वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का भी प्रतिनिधिमंडल जहांगीरपुरी पहुंच रहा है। छह सांसदों वाला दल पार्टी प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। टीएमसी की छह सदस्यीय तथ्यान्वेषी दल में काकोली घोष दस्तीदार, शताब्दी रॉय, माला रॉय, प्रतिमा मंडल, सजदा अहमद और अपरूपा पोद्दार शामिल हैं।

कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने जहांगीरपुरी क्षेत्र का दौरा किया, हालांकि पुलिस ने उसे उस स्थान पर जाने से रोक दिया जहां एक दिन पहले ही उत्तरी दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) ने अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया था। पार्टी के प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस महासचिव अजय माकन, पार्टी के दिल्ली प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल और कई अन्य नेता शामिल रहे। माकन ने कहा कि बुलडोजर चलाया जाना गरीब लोगों और उनकी जीविका पर हमला था। उन्होंने कहा, बुलडोजर चलाया जाना गैरकानूनी है। मैं शहरी विकास मंत्री रह चुका हूं और जानता हूं कि कानून कैसे काम करता है। नोटिस दिए बिना ऐसा कदम नहीं उठाया जा सकता। भाजपा के नेता झूठ बोल रहे हैं।

इन सब के बीच भाजपा शासित उत्तरी दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) द्वारा हिंसा प्रभावित जहांगीरपुरी में कई 'अवैध' ढांचों को ढहाने के एक दिन बाद पार्टी की दिल्ली इकाई के प्रमुख आदेश गुप्ता ने पूर्वी और दक्षिणी दिल्ली नगर निगमों के महापौरों को भी उनके

क्षेत्रों में 'रोहिंग्या, बांग्लादेशियों और असामाजिक तत्वों द्वारा सरकारी जमीन पर किए गये अतिक्रमण' को समाप्त करने के लिए, इसी तरह का अभियान चलाने के लिए पत्र लिखा। बसपा की अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके व अन्य राज्यों में अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाए जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार को उन अफसरों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, जिनकी वजह से अवैध निर्माण हुए थे।

अमित शाह की मौजूदगी में बिहार में टूटेगा पाकिस्तान का रिकॉर्ड, भाजपा स्थापित करने जा रही नया कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)

गृह मंत्री अमित शाह 23 अप्रैल को बिहार दौरे पर जा रहे हैं। अमित शाह इस दौरान बिहार के भोजपुर में वीर कुंवर सिंह के विजयोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम को लेकर भाजपा पिछले 1 महीने से जोर-शोर से तैयारी कर रही है। भाजपा इस कार्यक्रम को भव्य बनाने की कोशिश में है। हालांकि इस कार्यक्रम में एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया जाएगा। दरअसल, स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह जी की जयंती पर भोजपुर के जगदीशपुर गांव में एक साथ 75000 झंडे फहराए जाएंगे। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहेंगे। यही अब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होने जा रहा है।

बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय जायसवाल से इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने बताया कि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड वालों को जैसे ही पार्टी के इस बड़े आयोजन के बारे में पता चला तो उन्होंने अपने प्रतिनिधि को भेजा है। वीर कुंवर सिंह जी के विजय उत्सव कार्यक्रम में 75000 राष्ट्रीय ध्वज फहराए

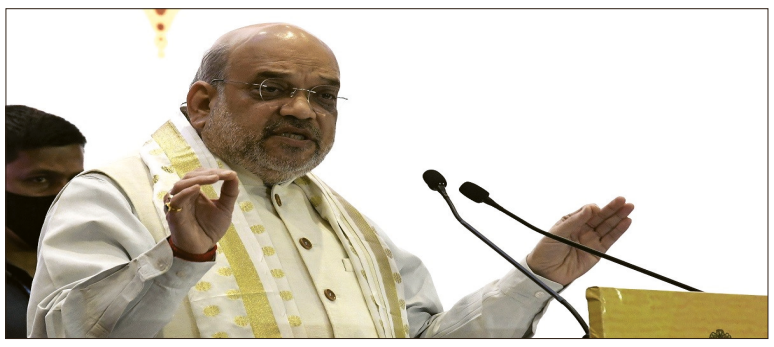

जाएंगे। इस दौरान गिनीज बुक के नुमाइंदे भी मौजूद रहेंगे। संजय जायसवाल ने यह भी बताया कि अब तक एक ही कार्यक्रम में सबसे ज्यादा राष्ट्रीय ध्वज फहराने का रिकॉर्ड में पाकिस्तान के नाम है। पाकिस्तान में 2004 में 57625 राष्ट्रीय ध्वज एक साथ फहराए गए थे। लेकिन भाजपा कल के कार्यक्रम में एक साथ 75000 राष्ट्रीय ध्वज फहराने जा रही है। जो कि एक बार एक विश्व रिकॉर्ड बनेगा।

राज्य के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि बिहार की धरती से भारत के नाम में रिकॉर्ड होगा तो हम सभी बिहार वासियों के लिए एक गर्व की बात होगी। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बिहार के अलग-अलग हिस्सों से पार्टी कार्यकताओं के साथ-साथ आम लोग भी शामिल होने आ रहे हैं। खुद भाजपा भी इस आयोजन को बड़ा बनाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए पार्टी पिछले 1 महीने से लगातार तैयारी भी कर रही है। बिहार में भाजपा के सभी दिग्गज नेता फिलहाल मौजूद है। केंद्रीय मंत्री आरके सिंह, गिरिराज सिंह, इसके अलावा बिहार के कई बड़े मंत्री लगातार आयोजन स्थल का दौरा कर रहे हैं और तैयारियों को लेकर दिशा निर्देश पर दे रहे हैं।

पीएम मोदी के दौरे से पहले जम्मू में आतंकी हमला गंभीर चिंता का विषय, बुखारी का बयान

जम्मू। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के प्रमुख सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा से पहले यहां हुए आतंकवादी हमले की निंदा की औरइसे गंभीर चिंता का विषय बताया। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री के दौरे से पहले प्रतिबंधित आतंकी समूह जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के आत्मघाती हमले के प्रयास को शुक्रवार को यहां एक मुठभेड़ में दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादियों कोमारगिराते हुए नाकाम कर दिया गया।

मुठभेड़ में सीआईएसएफ का एक अधिकारी भी शहीद हो गया। जम्मू के बाहरी इलाकेसुंजवां में सेना के एक शिविर के पास तड़के हुई मुठभेड़ में नौ सुरक्षाकर्मी भी घायल हो गए। बुखारी ने कहा, हम सुंजवां में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। यह जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने की कोशिश है। उन्होंने कहा, इन जघन्य कृत्यों के पीछे शांति व स्थिरता के दुश्मनों का हाथ है। अपनी पार्टी के प्रमुख ने लोगों से समाज में सांप्रदायिक भाईचारा और शांति बनाए रखने कीअपील भी की।

अदार पूनावाला ने टीके की मंजूरी में देरी पर निराशा जताई

मुंबई (एजेंसी)

टीका विनिमार्ता सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने सरकार के स्तर पर मंजूरी में देरी पर निराशा जताते हुए शुक्रवार को कहा कि बच्चों को दिए जाने वाले टीके की अनुमति का उन्हें कई महीनों से इंतजार है। पूनावाला ने टाइम्स नेटवर्क के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समय पर फैसले लेने के लिए जिम्मेदार लोगों एवं समितियों के रुख से लगता है कि उन्हें किसी तरह की जल्दी नहीं है। उन्होंने कहा, महामारी के खिलाफ जंग में हमें इस मुकाम तक लाने वाली तेजी अब गुम हो चुकी है। ऐसा लगता है कि उन लोगों के लिए सब कुछ सामान्य हो चुका है। पूनावाला ने सात साल से लेकर 11 साल तक के बच्चों के लिए विकसित टीके के बारे में कहा कि उन्हें सरकार से इसकी मंजूरी मिलने का इंतजार है। उन्होंने कहा कि कोवोवैक्स टीके को नियामकीय मंजूरी कई महीने पहले ही मिल चुकी है और यूरोपीय देशों एवं ऑस्ट्रेलिया में इसकी आपूर्ति भी की जा रही है। उन्होंने कहा, वैसे तो यह सरकार स्वास्थ्य देखभाल को अहमियत देती रही है लेकिन ऐसा लगता है कि अब निर्णय लेने से जुड़ी प्रक्रियागत तेजी चली गई है। पूनावाला ने बताया कि तैयार खुराकों की बबार्दी रोकने के लिए उनकी कंपनी ने कोविड-रोधी टीके का उत्पादन 31 दिसंबर, 2021 से ही रोक दिया है। उन्होंने कहा कि इस समय सीरम इंस्टीट्यूट के पास करीब 20 करोड़ खुराकें मौजूद हैं। उन्होंने टीकाकरण की रफ्तार में आई सुस्ती का जिक्र करते हुए कहा कि कोविशील्ड की एक खुराक की कीमत 600 रुपये से घटाकर 225 रुपये किए जाने के बावजूद लोग अब टीके लगवाने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। हालांकि पहले से दोनों नियमित खुराक लगवा चुके लोगों के लिए बूस्टर खुराक को जरूरी बताते हुए पूनावाला ने कहा कि देश के भीतर और बाहर सफर करने के लिए बढ़ी हुई प्रतिरोधकता की जरूरत बनी रहेगी। पूनावाला ने कहा कि बूस्टर खुराक को नौ महीने के बजाय छह महीने के अंतराल पर ही देने से लोगों की जान पर खतरा कम हो सकेगा। उन्होंने कहा कि वह दो नियमित खुराकों के बाद बूस्टर खुराक को जल्द देने की सिफारिश पैसा कमाने के नजरिये से नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहता कि पहली दो लहरों की तरह लोगों की पीड़ा फिर दिखे। मैं बूस्टर खुराक जल्द देने की बात पैसे कमाने के लिए नहीं कह रहा हूं।

राम भक्त पटेल कांग्रेस को दे सकते हैं बड़ा झटका, बीजेपी करेगी 'हार्दिक' स्वागत?

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

गुजरात में विधानसभा चुनाव में कुछ ही महीने का वक्त शेष है और इस साल के आखिरी में वहां चुनाव होने हैं। लेकिन इसके साथ ही प्रदेश की सियासत भी तेजी के साथ बदलती नजर आ रही है। कभी बीजेपी के धुर विरोधी रहे हार्दिक पटेल बीजेपी की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। ऐसे में सवाल ये खड़े हो रहे हैं कि क्या कांग्रेस को लेकर हार्दिक का मोहभंग हो गया है। हार्दिक पटेल के हालिया बयान इस ओर इशारा कर रहे हैं। गुजरात कांग्रेस के कामकाज की आलोचना करने के कुछ दिनों बाद हार्दिक पटेल के एक बयान ने सूबे की सियासत में और अधिक उबाल ला दिया है।

ऑप्शन हमेशा मौजूद

बीजेपी ज्वाइन करने को लेकर पटेल ने कहा कि ये 5-7 दिनों से चल रही है। हमारी चिंता प्रदेश की जनता को लेकर है। मेरी नाराजगी राहुल जी और प्रियंका जी से नहीं है। मेरी नाराजगी स्टेट लीडरशीप से है। स्टेटलीडरशिप ने ईमानदारी से जो हमारा उपयोग होना चाहिए वो आजतक नहीं किया। हमारे पास ऑप्शन हमेशा मौजूद रहता है, हमें हमारा भविष्य भी देखना है। मेरी उम्र मात्र 28 साल है। प्रदेश के लोग अगले 40 साल तक नेतृत्व करने का अवसर देंगे। मेरा मकसद साफ है कि गुजरात को किस दिशा में आगे ले जा सकूं।

मैं राम भक्त हूं

शुक्रवार को छपे दिव्य भास्कर अखबार को दिए गए एक साक्षात्कार में पटेल ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण जैसे फैसलों पर भाजपा की प्रशंसा करते हुए कहा कि हम भगवान राम को मानते हैं और मैं एक गर्वित हिंदू हूं। अहमदाबाद में मीडिया से बातचीत में हार्दिक ने फिर से राज्य कांग्रेस नेतृत्व पर अपनी नाखुशी दोहराई और कहा कि उन्होंने पार्टी आलाकमान को मुद्दों से अवगत करा दिया है। आलाकमान ने मुझसे कहा है कि वे जल्द ही फैसला लेंगे और मुझे उम्मीद है कि यह एक अच्छा फैसला होगा, जो गुजरात के लोगों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

गौरतलब है कि साल 2017 में जब विधानसभा के चुनाव हुए थे तो उस वक्त हार्दिक कांग्रेस के पोस्टर ब्वॉय थे। अल्पेश, जिग्नेश और हार्दिक की तिकड़ी को लेकर कांग्रेस ने बड़े तौर पर प्रमोशन किया था। लेकिन इस बार की सियासत बदली हुई नजर आ रही है।

विदेश में रहने वाले मतदाताओं को डाकमत की सुविधा देने पर विचार किया जा रहा है : मुख्य निर्वाचन आयुक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)

विदेशों में रहने वाले पंजीकृत मतदाताओं की संख्या बेहद कम होने की बात कहते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चन्द्रा ने दक्षिण अफ्रीका और मॉरिशस में मौजूद भारतीय समुदाय के सदस्यों से कहा कि एनआरआई मतदाताओं को डाकमत की सुविधा देने पर विचार किया जा रहा है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, चन्द्रा ने दोनों देशों की आधिकारिक यात्रा के दौरान वहां भारतीय समुदाय से बातचीत की और उनसे ह्यओवरसीज मतदाताह्न के रूप में पंजीकरण कराने का अनुरोध किया क्योंकि ऐसे मतदाताओं की संख्या बेहद कम है।

उन्होंने भारतीय समुदाय के सदस्यों से कहा कि विदेश में रहने वाले मतदाताओं को इलेक्ट्रॉनिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलट सिस्टम (ईटीपीबीएस) सुविधा देने पर भी विचार किया जा रहा है।

ईटीपीबीएस सुविधा अभी तक सेना और केन्द्रीय सशस्त्र बलों के कर्मियों सहित सेवा में लगे कर्मचारियों/कर्मियों के लिए उपलब्ध है जो अपने निर्वाचन क्षेत्र से बाहर तैनात हैं या विदेशों में स्थित भारतीय दूतावास/मिशन के सदस्य हैं। निर्वाचन आयोग ने 2020 में ईटीपीबीएस सुविधा विदेशों में रहने वाले मतदाताओं को देने का प्रस्ताव सरकार के समक्ष रखा था।

विधि मंत्रालय में विधायी सचिव को 27 नवंबर, 2020 को लिखे पत्र में निर्वाचन आयोग ने कहा था कि सेवा में तैनात कर्मियों को ईटीपीबीएस सुविधा सफलतापूर्वक मुहैया कराने के बाद अब उसे यकीन है कि यह सुविधा विदेशों में रहने वाले मतदाताओं को भी दी जा सकती है। निर्वाचन आयोग, केन्द्रीय विधि मंत्रालय और विदेश मंत्रालय विदेशों में रहने वाले भारतीय मतदाताओं से जुड़ी कुछ समस्याओं का समाधान निकालने में जुटे हुए हैं।

वर्तमान में विदेशों में रहने वाले भारतीय उस निर्वाचत क्षेत्र में मतदान कर सकते हैं, जहां वे पंजीकृत हैं। निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने बताया कि दोनों देशों की यात्रा के दौरान विदेशों में रहने वाले करीब 1,12,000 भारतीय मतदाताओं ने पंजीकरण कराया।

नवाब मलिक को एक और झटका, गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने नवाब मलिक को बड़ा झटका दिया है। पीएमएलए के तहत प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने मलिक की याचिका खारिज कर दी है।

नवाब मलिक ने बॉम्बे हाईकोर्ट के एक आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी। सुनवाई की शुरूआत करते हुए सिब्बल ने कहा 1993 में हुई घटना के लिए वे मुझे 2022 में कैसे गिरफ्तार कर सकते हैं, जहां मैं बिल्कुल भी नहीं हूं? न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा आप सक्षम अदालत में जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस स्तर पर हम बिल्कुल भी हस्तक्षेप नहीं करेंगे।

सिब्बल ने कहा 41ए नोटिस नहीं है। गिरफ्तारी अवैध है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इसपर कहा यह हमारे लिए हस्तक्षेप करने के लिए बहुत प्रारंभिक अवस्था है। सिब्बल ने कहा विशेष अदालत मुझे 5000 पेज की चार्जशीट दायर करने के साथ जमानत नहीं देने जा रही है। कोई प्रथम दृष्टया मामला नहीं है। कोई विधेय अपराध नहीं है। पीएमएलए कैसे लगाया जा सकता है? अर्नब गोस्वामी का फैसला मेरे पक्ष में है।

आपको बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को धन शोधन मामले में महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक के खिलाफ पांच हजार पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया। आरोपपत्र में 50 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से संबंध धन शोधन मामले में एनसीपी नेता को 23 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। वह अभी न्यायिक हिरासत में है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

नडियाद में हनुमान जी की प्रतिमा खंडित कर धार्मिक भावनाएं भड़का का प्रयास

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

खेडा,नडियाद के एक मंदिर में अज्ञात शख्स ने हनुमान जी की प्रतिमा में तोड़ फोड की और घटनास्थल से फरार हो गया। खबर मिलते ही नडियाद पुलिस पुलिस, एलसीबी और एसओजी घटनास्थल पर पहुंच गई और आसपास लगे सीसीटीवी के आधार पर अज्ञात शख्स की तलाश शुरू की है। जानकारी के मुताबिक खेडा जिले के नडियाद शहर में पवनचक्की रोड पर जागेश्वर हनुमान जी का मंदिर हैं। दोपहर के वक्त एक्टिवा पर आया एक शख्स दर्शन के बहाने मंदिर में घुस गया और वहां पड़े एक पत्थर से हनुमान जी की प्रतिमा के मुंह और आंख-कान के हिस्से में तोड़फोड़ करने लगा। आसपास के लोगों की चीख पुकार सुन अज्ञात शख्स वहां से फरार हो गया। घटना की खबर मिलते ही विश्व हिन्दू परिषद के नेता और कार्यकर्ताओं ने नडियाद पुलिस की इसकी जानकारी दी। नडियाद पुलिस, एलसीबी और एसओजी के साथ घटनास्थल पर पहुंच गई और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फूटेज एकत्र कर अज्ञात शख्सकी तलाश शुरू की है।

सूरत में आप नेता ने कहा कि भाजपा ने डर से जल्दी चुनाव कराने की तैयारी में ?

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

इसुदान गढ़वी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के डर से भारतीय जनता पार्टी जून में पहली बार चुनाव कराने की तैयारी कर रही है. जिससे भारतीय जनता पार्टी के नेता लगातार गुजरात आ रहे हैं। ऐसे में आम आदमी पार्टी जल्द चुनाव के लिए तैयार है, जोरदार तरीके से लड़ने को तैयार है. इस बार चुनाव लोगों बनाम खास लोगों के बीच होगा। आम आदमी पार्टी के सक्रिय होने से शिक्षा जैसे मुद्दे गुजरात की राजनीति में प्रवेश कर गए हैं।

हार्दिक पटेल की भारतीय जनता पार्टी की प्रशंसा करने वाले हार्दिक पटेल के बयान के बारे में इसुदान गढ़वी ने कहा कि यह वही हार्दिक पटेल हैं जिन्हें भारतीय जनता पार्टी ने कई स्पकों के साथ संबोधित किया था। उन्होंने हार्दिक को लेकर कई तरह के बयान भी दिए।

भारतीय जनता पार्टी की मानसिकता है कि जो कोई भी उनकी पार्टी में शामिल होता है उसे दूध से धोया जाता है। फिर इसमें कुछ गलत नहीं है। वही बीजेपी नेता भूपेंद्र सिंह चुडास्मा हार्दिक पटेल को बीजेपी में शामिल होने का न्योता दे रहे हैं.

मुख्यमंत्री ने मांगा इस्तीफा

इसुदान गढ़वी ने राज्य में लगातार हो रहे पेपर ब्लास्ट को देखते हुए मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की है. इसुदान गढ़वी ने कहा कि अगर सातवीं के पेपर भी सुरक्षित रखने की व्यवस्था नहीं है तो मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। प्रदेश में कागजों का सिलसिला लगातार जारी है।

राज्य सरकार शिक्षा को लेकर कितनी गंभीर है यह लगातार लोगों के सामने आ रहा है. गुजरात की राजनीति में यह पहला मौका है जब शिक्षा को लेकर इस तरह की चर्चा हो रही है।

सज्जू कोठारी के भाई आरिफ के अवैध जुआ क्लब को पुलिस ने तोड़ा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के कुख्यात सज्जू कोठारी के भाई सुभाषनगर में आरिफ के जुआ क्लब पर पुलिस ने बुलडोजर चला दिया है. आरिफ को छोड़ दिया। आरिफ को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। तभी पुलिस ने उसकी अवैध कालाबाजारी पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया. सज्जू कोठारी के अवैध कारोबार को पहले ध्वस्त कोठारी के भाई आरिफ कोठारी को गिरफ्तार करने गई पुलिस पर उसके पंटर्स ने हमला कर दिया और विद्रोही आरिफ कोठारी को रिहा कर दिया गया. भीड़ ने पुलिस पर पथराव भी किया। घटना मंगलवार उसके भाई समेत ३ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था. अपराधी आरिफ कोठारी भी अपराध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे।

भीड़ ने पुलिस के साथ हाथापाई की और आरिफ कोठारी को पकड़ने गए थे। पुलिस की एक टीम ने आरिफ को पकड़कर झुग्गियों से बाहर निकाल कर जीप में लाद दिया। भीड़ ने पुलिस से हाथापाई की और आरिफ को छोड दिया। भीड ने पुलिस पर

उल्लेखनीय है कि आरिफ कोठारी गत मंगलवार को तेज रफ्तार से गाड़ी चला रहा था। इसी दौरान भीड़ ने हमला कर किया गया था।

सज्जू कोठारी के भाई समेत उसके खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।पिछले मंगलवार की रात नानपुरा में सज्जू देर रात की है। सचिन इससे पहले कोठारी रांदेर पुलिस को चकमा देकर लाजपुर से फरार हो गया था। उस वक्त सचिन पुलिस ने सज्जू कोठारी और आरिफ को छोड़ दिया। रांदर पुलिस डी स्टाफ पीएसआई हादिया और ४ स्टाफ सदस्य रांदेर चंद्रशेखर आजाद ब्रिज के नीचे सुभाषनगर स्लम में पथराव भी किया। बताया जाता है कि इससे पुलिस कर्मियों को भी मामूली चोटें आई हैं। पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

उधना एवं बनारस के बीच सुपरफास्टर साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन स्पेजशल ट्रेन चलाई जाएगी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

यात्रियों की सुविधा और उनकी मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा उधना एवं बनारस के बीच विशेष कराये पर ग्रीष्मककालीन स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस स्पे शल ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

•ट्रेन नंबर 09013/09014 उधना-बनारस सुपरफास्टप साप्ताहिक स्पे शल [4 फेरे] ट्रेन नंबर 09013 उधना-बनारस स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को उधना से 07.25 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 10.50 बजे बनारस पहुंचेगी। यह ट्रेन 26 अप्रैल और 3 मई 2022 को चलेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09014 बनारस-उधना स्पेशल बनारस से प्रत्येक बुधवार को 18.10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20.10 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 27 अप्रैल और 4 मई 2022 को चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, शाजापुर, ब्यावरा, राजगढ़, खटिया, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, मालनपुर, सोनी, भिंड, इटावा, गोविंदपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज और ज्ञानपुर रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी ३ टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्यु डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्यो 09013 की बुकिंग 23 अप्रैल, 2022 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्रीwww.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।